RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning ● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही
जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी
चेतना मंच

वर्ष : 27 | अंक : 254 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, मंगलवार, 02 सितंबर, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

दिल्ली के निचले इलाकों में बाढ़

यमुना में आज रात पहुंचेगा 3 लाख क्यूसेक पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बाढ़ का संकट गहरा रहा है। यमुना नदी के किनारे बसा यमुना बाजार इलाका बाढ़ के हालात से जूझ रहा है। सोमवार देर शाम जैसे ही यमुना नदी का जलस्तर बढ़ा तो यमुना बाजार इलाके की कॉलोनी में पानी घुसना शुरू हो गया। दिल्ली के निचले इलाकों में पानी भर गया है।

कुछ ही घंटों में हालात ऐसे बिगड़ गए कि यमुना बाजार कॉलोनी के घरों में पानी भर गया और लोग अपना घर छोड़कर छतों पर पहुंच गए। बाढ़ के हालत के बीच कुछ लोग अपने घर का सामान छत पर चढ़ा रहे हैं तो कुछ लोग कैंप में अपना सामान लेकर जा रहे हैं। दिल्ली में यमुना नदी के किनारे कश्मीरी गेट, निगम बोध घाट, मदनपुर खादर, मंजनू का टीला व गीता कालोनी के कुछ इलाकों में बाढ़ का पानी भर गया है।

आज (मंगलवार), 2 सितंबर को सुबह 6 बजे यमुना का जलस्तर 205.68m दर्ज किया गया है। बता दें कि यमुना में खतरे का निशान 205.33m है। शाम 5 बजे तक यमुना का जलस्तर 206.50 m पहुंचने का अनुमान है। हंथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया 3 लाख क्यूसेक पानी देर रात तक दिल्ली पहुंच जाएगा।

दिल्ली का पुराना रेलवे पुल यातायात के लिए बंद

यमुना नदी का जलस्तर खतरे के निशान के पार पहुंचने के बाद दिल्ली सरकार ने ऑल्ड रेलवे ब्रिज पर यातायात और आम जनता की आवाजाही पर रोक लगा दी है। हरियाणा के हथनी कुंड बैराज पर 176307 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो दिल्ली की तरफ आ रहा है। वहीं दिल्ली में यमुना नदी से वजीराबाद बैराज से 69210 क्यूसेक और ओखला बैराज से 73619 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है।

नोएडा में फार्म हाउस में भरा पानी

निचले इलाकों से लोग हुए शिफ्ट

नोएडा (चेतना मंच)। यमुना नदी में खतरे से निशान से ऊपर बह रहे पानी के कारण गौतमबुद्धनगर में यमुना के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ का पानी आने लगा है। सेक्टर-151 के पास फार्म हाउस में पानी भर गया है। वहीं निचले इलाकों में पानी भरने के कारण लोग सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट होने लगे हैं। जिला प्रशासन और नोएडा प्राधिकरण लगातार बाढ़ की स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। हथिनीकुंड बैराज से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। मंगलवार सुबह भी हथिनीकुंड बैराज से 69210 क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। यमुना नदी में यह पानी देर रात तक पहुंच जाएगा जिस कारण नोएडा में यमुना के किनारे बसे इलाकों में बाढ़ की स्थिति और खराब हो सकती है।

गुरूग्राम का हाल बेहाल

स्कूल बंद, कंपनियों में वर्क फ्रॉम होम

गुरुग्राम (एजेंसी)। एनसीआर के गुरुग्राम में भारी बारिश के बाद कई इलाकों में पानी भर गया। इसके चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा रहा है। सोमवार शाम जैसे ही लोग ऑफिस से निकले जाम में फंस गए। एनएच-48 पर चार किलोमीटर लंबी गाड़ियों की कतारें दिखाई दीं। इस दौरान कई वाहनब्रेक डाउन हो गए। कई एंबुलेंस जाम में फंस गई। लोगों को घर पहुंचने में आधी रात लग गई। देर रात तक गुरूग्राम की सड़कों पर लम्बा जाम रहा। मौसम विभाग ने गुरुग्राम में आज भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। बारिश के कारण गुरूग्राम का हाल बेहाल हो गया है।

गुरुग्राम जिला प्रशासन की तरफ से एडवाइजरी जारी की गई है। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में अवकाश घोषित किया गया है। साथ ही स्कूलों से ऑनलाइन क्लास लेने को कहा गया है। इसके साथ ही कंपनियों से कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने की अपील की गई। ऐसे में लोगों को सावधानी बरतने और अनावश्यक रूप से घर से बाहर निकलने से बचने की सलाह दी गई है। यह फैसला लगातार हो रही भारी बारिश को देखते हुए लिया गया है।

ससुराल में बहू से मारपीट, एक्सप्रेस-वे पर फेंका

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना रबूपुरा में एक महिला ने अपने पति व ससुराल वालों के खिलाफ दहेज के लिए उत्पीड़न करने के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया है। महिला का आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर उसके साथ मारपीट की गई और उसका पति उसे कार से यमुना एक्सप्रेसवे पर फेंककर चला गया।

थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली नंदिनी (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसकी शादी वर्ष 2018 में वेव सिटी गाजियाबाद निवासी रोहित भाटी के साथ हुई थी। शादी के कुछ समय बाद ही पति व ससुराल वाले दहेज को लेकर उसका उत्पीड़न करने लगे। आए दिन उस पर मायके से स्कॉर्पियो, सोने के जेवरात व 5 लाख रुपए कैश लाने का दबाव बनाया जाने लगा।

नंदिनी के मुताबिक 23 अगस्त को उसके पति रोहित, सास साधना, नंद अंजलि ने उसके साथ मारपीट की और दहेज लाने का दबाव बनाया। उसके द्वारा इनकार करने पर उसके पति रोहित ने अपने दो साथियों की मदद से उसे अपनी कार में जबरन डाल लिया। इसके बाद वह उसे यमुना एक्सप्रेसवे पर फेंक कर चले गए। एक्सप्रेसवे पर गांव के ही एक व्यक्ति ने उसे पहचान कर उसके घर तक पहुंचाया। पीड़िता का आरोप है कि ससुराल वालों ने उससे उसके 2 वर्ष से बेटे को भी छीन लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की शिकायत पर पति व ससुराल वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है।

सड़क हादसों में तीन लोगों की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। अलग-अलग स्थानों पर बीते दिनों तीन लोगों की सड़क हादसों में मौत हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी वाहन चालकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इनमें से दुर्घटना का एक मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज हुआ है।

दादरी निवासी रामा ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि उनका बेटा दीपक 18 अप्रैल को सिकंदराबाद से अपने घर दादरी आ रहा था। उसकी बाइक जैसे ही रेलवे रोड इंडियन पेट्रोल पंप के पास पहुंची तो पीछे से तेज गति में आ रहे बाइक चालक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर मौजूद दीपक के दोस्त संदीप व पुलिसकर्मी उसे दादरी के सरकारी अस्पताल लेकर पहुंचे। उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे शारदा अस्पताल के लिए रेफर कर दिया गया जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पीड़िता के मुताबिक इस हादसे की रिपोर्ट (शेष पृष्ठ-3 पर)

'आप' विधायक पुलिस पर फायरिंग करके फरार

रेप केस में पंजाब पुलिस ने किया था गिरफ्तार

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के सनौर से आम पार्टी के विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा पुलिस हिरासत से फरार हो गए। गिरफ्तारी के बाद लोकल थाने ले जाते समय पठानमाजरा और उसके साथियों ने पुलिस पर गोलीबारी की, जिसमें एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। पुलिसकर्मी पर गाड़ी चढ़ाने की कोशिश कर विधायक स्कॉर्पियो और फॉर्च्यूनर में भागे। पुलिस ने फॉर्च्यूनर को पकड़ लिया, लेकिन पठानमाजरा स्कॉर्पियो में फरार है। हरमीत ने पंजाब सरकार पर बाढ़ पीड़ितों की ममद में लापरवाही

बरतने का आरोप लगाया था।

दरअसल, पठानमाजरा की पूर्व पत्नी की शिकायत पर दर्ज हुए रेप केस के पुराने मामले में यह कार्रवाई की जा रही है। पटियाला के सिविल लाइंस थाने में यह एफआईआर दर्ज है।

पंजाब पुलिस ने विधायक हरमीत को हरियाणा के कुरुक्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया था। इसी बीच, स्थानीय थाने ले जाते समय विधायक पठानमाजरा और उनके साथियों ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। इस घटना में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया।

उधर विधायक ने एक पुलिसकर्मी पर अपनी कार चढ़ाकर फरार हो गए। विधायक और उनके साथी एक स्कॉर्पियो और एक फॉर्च्यूनर लेकर फरार हो गए। पुलिस ने फॉर्च्यूनर कार जब्त कर ली है। विधायक एक स्कॉर्पियो में फरार हैं।

पड़ोसी युवक भगा ले गया किशोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-63 क्षेत्र के बहलोलपुर गांव से (14 वर्षीय) किशोरी को पड़ोस में रहने वाला युवक बहला-फुसलाकर भगा ले गया। किशोरी की माँ की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। बहलोलपुर गांव में किराए पर रहने वाली रेशमा खातून (काल्पनिक नाम) ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 15 अगस्त की रात्रि को उनकी (14 वर्षीय) बेटी घर से बाहर गई थी इसके बाद वह वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। इस दौरान पता चला कि पड़ोस में रहने वाला मोहित पुत्र सतीश भी उसी दिन से लापता है। जानकारी करने पर पता चला कि मोहित ही उनकी बेटी को बहला-फुसला कर भगा कर ले गया है।

मकान से लैपटॉप व सामान चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के छलेरा गांव में चोर एक मकान से तीन लैपटॉप व अन्य सामान चोरी कर ले गया। चोरी की पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

छलेरा गांव में रहने वाले दुर्गेश कुमार ठाकुर ने बताया कि 28 अगस्त की रात्रि को वह अपने मकान में सो रहा था।

सुबह जब वह ऑफिस जाने लगा तो उसे लैपटॉप बैग गायब मिला। उसने मकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज चेक की तो उसमें एक व्यक्ति रात्रि 3 बजे कमरे में घुसता हुआ दिखाई दिया। महज 10 मिनट के भीतर ही है कमरे से बाहर निकल गया। इस दौरान उसके हाथ में लैपटॉप बैग व अन्य सामान था।

दुर्गेश कुमार ठाकुर के मुताबिक चोर उसके कमरे से एक ऑफिस लैपटॉप, दो व्यक्तिगत लैपटॉप, वॉयरलैस माउस, कार्यालय से संबंधित आवश्यक दस्तावेज चोरी कर ले गया है। उन्होंने इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल के बाद थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराने की सलाह दी।

पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-39 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस पीड़ित द्वारा उपलब्ध कराई गई सीसीटीवी फुटेज के आधार पर चोर की पहचान का प्रयास कर रही है।

अधिवक्ता के प्लॉट पर दबंगों ने किया कब्जा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना दनकौर में एक अधिवक्ता ने अपने प्लॉट पर अवैध कब्जा करने तथा जान से मारने की धमकी देने के आरोप में पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। अधिवक्ता का आरोप है कि सभी आरोपी दबंग किस्म के व्यक्ति हैं और उस पर प्लाट बेचने का दबाव भी बना रहे हैं। यह मामला न्यायालय के निर्देश पर दर्ज हुआ है।

ग्राम घोड़ी बछेड़ा निवासी दिनेश कुमार ने बताया कि वह पेशे से अधिवक्ता है। उसने कुछ समय पूर्व ग्राम फलेंदा बांगर में एक आवासीय प्लॉट खरीदा था। 18 जुलाई को उसे पता चला कि चंद्रसेन उर्फ चंद्र प्रकाश उर्फ गुरु जी, सतीश, प्रताप पुत्र सोरन सिंह, नट्टू पुत्र चंद्रसेन तथा चंद्रसेन की पत्नी ने उसके प्लॉट पर अवैध कब्जा कर दीवार बनवा रहे हैं। जानकारी मिलने पर वह मौके पर पहुंचा और प्लाट पर कब्जा करने का विरोध किया। इस पर आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट शुरू कर दी।

मौके पर पहुंचे अन्य लोगों ने बीच बचाव कराया। इस दौरान उसने डॉयल-112 पर पुलिस को कॉल कर दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह उसे वहां से निकाला। अधिवक्ता के मुताबिक वह अपने घर जा रहा था। इस दौरान प्रकाश उर्फ गुरुजी ने उसे फोन कर मामले को सुलझाने की बात कहते हुए गलगोटिया विश्वविद्यालय के पास बुला लिया। जैसे ही वह गलगोटिया यूनिवर्सिटी के पास पहुंचा तो पहले से मौजूद चंद्रसेन उर्फ चंद्र प्रकाश गुरु जी, सतीश प्रताप नट्टू व एक अन्य अज्ञात व्यक्ति ने उसके सामने प्लॉट बेचने का प्रस्ताव रखा। उसने जब प्लाट बेचने से इंकार किया तो नट्टू ने उसके सर पर कट्टा सटाकर जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान भी आरोपियों ने उसके साथ हाथापाई की। मौके पर लोगों की भीड़ इकट्ठा होते देखकर आरोपी वहां से फरार हो गए। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो स्टेशन पर मोबाइल चोरी

नोएडा (चेतना मंच)। बोटैनिकल गॉर्डन मेट्रो स्टेशन पर जेब कतरों ने एक व्यक्ति की जेब से मोबाइल फोन चोरी कर लिया। पीड़ित ने थाना सेक्टर-39 में मामला दर्ज कराया है।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित गौर सिटी सोसाइटी में रहने वाले वरुण धर्म ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि वह 21 अगस्त की सुबह बोटैनिकल गार्डन मेट्रो स्टेशन पर उतरा था। इस दौरान मेट्रो में काफी भीड़ थी। भीड़ का फायदा उठाकर किसी जेबकतरे ने उसकी जेब से मोबाइल फोन निकाल लिया। मोबाइल फोन चोरी होने की जानकारी मिलने पर उसने काफी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। इसके बाद उसने मेट्रो स्टेशन पर सुरक्षाकर्मियों को इसकी जानकारी दी। पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर ठगा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-58 में एक व्यक्ति ने अज्ञात साइबर ठग के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। साइबर ठग ने ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर उससे ढाई लाख रुपए हड़प लिए।

सेक्टर-62 स्थित गेल अपार्टमेंट में रहने वाले चिरंजीव टिक्कू ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 14 जुलाई 2024 को उसके मोबाइल फोन पर एक अनजान नंबर से कॉल आई। उक्त व्यक्ति ने उसे ऑनलाइन ट्रेडिंग कर बेहतर मुनाफा कमाने का ऑफर दिया। इसके बाद उसे ट्रेडिंग के लिए मोबाइल पर एक लिंक भेजा गया। ट्रेडिंग करने के नाम पर उससे कई बार में तकरीबन ढाई लाख रुपए ट्रांसफर करा लिए गए। इसके बाद भी उसे पर और पैसे ट्रांसफर करने का दबाव बनाए जाने लगा। संदेह होने पर जब उसने पैसे ट्रांसफर करने से इनकार कर अपने जमा पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने उसका फोन उठाना बंद कर दिया। ठगे जाने का एहसास होने पर उसने साइबर क्राइम पोर्टल पर भी अपनी शिकायत दर्ज कराई।

पीड़ित की शिकायत पर थाना सेक्टर-58 पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है । पुलिस का कहना है कि मामले में साइबर सेल की मदद ली जा रही है।

कमांडेंट नरेश शर्मा ने नोएडा का नाम किया रोशन

सीआरपीएफ में बनाये गये डीआईजी, निठारी में हर्ष का माहौल

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के निठारी गांव में एक किसान परिवार में जन्मे बेटे ने अपनी कड़ी मेहनत, ईमानदारी और देश की सेवा करने के जज्बे के बल पर देश की सुरक्षा में अहम भूमिका निभाने वाली सेंट्रल रिज़र्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) में बड़ा पद हासिल किया है। किसान के इस बेटे की उपलब्धि पर जहां पूरे परिवार में खुशी व जश्न का माहौल है। वहीं नोएडा के इस बेटे की उपलब्धि पर शहर का हर नागरिक गर्व से सर ऊंचा कर रहा है।

निठारी गांव निवासी एवं

सीआरपीएफ के कमांडेंट नरेश शर्मा की पदोन्नति हुई है। उन्हें सीआरपीएफ का डीआईजी बनाया गया है। नरेश शर्मा के डीआईजी बनने पर उनके परिवार, गांव व क्षेत्र में व्यापक खुशी है। नरेश शर्मा के डीआईजी बनने पर उनके परिजनों को बधाइयां मिल रही हैं। लोगों का कहना है कि नरेश शर्मा ने निठारी गांव सहित क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

निठारी गांव के निवासी चंद्रभान शर्मा के यहां वर्ष 1970 में नरेश शर्मा का जन्म हुआ। वह चार भाइयों में सबसे बड़े हैं। नरेश शर्मा के छोटे भाई संजय शर्मा जनपद गौतमबुद्धनगर दीवानी एवं फौजदारी बार एसोसिएशन के सदस्य एवं (शेष पृष्ठ-3 पर)

ब्लैकमेलर के डर से छात्रा ने कॉलेज जाना छोड़ा

एडिट फोटो वायरल करने की धमकी देता है सिरफिरा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना जेवर में एक व्यक्ति ने अपने पड़ोस में रहने वाली महिला व उसके बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पीड़ित का आरोप है कि महिला व उसके बेटे ने उसकी बेटी का जीना दूभर कर रखा है। आरोपी युवक उसकी बेटी के एडिट फोटो को वायरल कर उसे बदनाम कर रहे हैं।

जेवर में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उसके पड़ोस में राधा शर्मा उसका बेटा हर्षित रहते हैं हर्षित आए दिन उसकी बेटी पर फब्तियां कसकर उसे परेशान करता था। हर्षित की हरकतों से परेशान आकर उसने उसके खिलाफ पूर्व में मुकदमा दर्ज कराया था। इस मामले में पुलिस ने उसे गिरफ्तार का जेल भेजा था।

राकेश के मुताबिक उसकी बेटी पिछले कुछ दिनों से कॉलेज नहीं जा रही थी। उसने जब इसका कारण पूछा तो उसकी बेटी ने बताया कि हर्षित ने 18 अगस्त को उसे धमकाया कि वह उसे बदनाम कर देगा। हर्षित ने उसके पड़ोस में रहने वाले लोगों को उसकी बेटी के एडिट फोटो व एडिट चैट दिखाकर कहा कि वह लड़की को कहीं का भी नहीं छोड़ेंगे। (शेष पृष्ठ-3 पर)

हेलमेट से परहेज

कैसी विडंबना है कि जो हेलमेट दुर्घटना में हमारे जीवन की रक्षा करता है, उसे पहनाने के लिये सरकार को सख्ती करनी पड़ रही है। जब तमाम दिशा-निर्देशों की अवहेलना तथा जुर्माने की अनदेखी करके लोग बिना हेलमेट का सफर करने की जिद दिखाते हैं तो निश्चय ही सरकारों को सख्ती करनी पड़ती है। ये आने वाला वक्त ही बताएगा कि उत्तर प्रदेश सरकार की 'हेलमेट नहीं तो पेट्रोल नहीं' मुहिम कितनी प्रभावी साबित होती है। हम यह जानते हैं कि दोपहिया वाहन पर चलना जितना सुविधाजनक है, उतना ही दुर्घटना की दृष्टि से बेहद संवेदनशील भी। कोई गिरता है तो चोट लगना निश्चित है। खतरा ये होता है कि हमारे गिरने पर पीछे से आ रहा तेज वाहन चाहकर भी गिरने वाले को बचा नहीं पाता। देश में हर साल लाखों दोपहिया वाहन चालक दुर्घटनाओं का शिकार होते हैं, कुछ दुर्भाग्यशाली बच नहीं पाते। लेकिन यदि हेलमेट लगा हो तो जीवित बचने की संभावना बहुत अधिक बढ़ जाती है। इस हकीकत को जानते हुए भी कि देश में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में तीस फीसदी शिकार दोपहिया वाहन चालक ही होते हैं, इस दिशा में लोग गंभीरता नहीं दिखाते। विडंबना यह भी है कि बहुत से लोग हेलमेट लगाते भी हैं तो सस्ते, और उसे भी टशन में लगाने से बचते हैं। विश्वास किया जाना चाहिए कि उत्तर प्रदेश सरकार की जीवन रक्षा की यह मुहिम रंग लाएगी। उम्मीद करें कि एक सितंबर से शुरू होने वाले इस अभियान को दोपहिया वाहन चालकों का सकारात्मक प्रतिसाद मिलेगा। निस्संदेह, दोपहिया वाहन चालकों की सड़क दुर्घटना में होने वाली मौत की वजह हेलमेट न लगाना या फिर अच्छी गुणवत्ता का हेलमेट ठीक से न पहनना होता है। कई लोग चालान से बचने के लिये औपचारिकता के लिए सस्ता हेलमेट पहन लेते हैं, जो पहनने के बावजूद बचाव नहीं कर पाता। या फिर गिरने की स्थिति में खुलकर अन्यत्र गिर जाता है। सवाल उठता है कि यातायात नियमों के अनुसार अनिवार्य होने के बावजूद लोग हेलमेट को गंभीरता से क्यों नहीं लेते? ऐसी लापरवाही जिसकी कीमत उन्हें जान देकर चुकानी पड़ सकती है। कुछ लोग जीवनपर्यंत विकलांगता के शिकार भी हो जाते हैं। फिर भी ऐसी लापरवाही समझ से परे है। एक हकीकत यह भी है कि यातायात पुलिस भी शुरू से ही ऐसी सख्ती नहीं दिखाती कि कोई बिना हेलमेट के वाहन न चला सके। एक संकट यह भी है कि पिछली सीट पर बैठी महिलाएं हेलमेट नहीं पहनती हैं। जबकि हादसे होने की स्थिति में वे भी शिकार बनती हैं। कुछ को अपने बालों के खराब होने की चिंता होती है। क्या जीवन से बड़ी कोई चीज हो सकती है? लेकिन विडंबना यह कि तमाम प्रयासों के बावजूद हम हेलमेट पहनने को लेकर जिम्मेदारी का भाव जगाने में कामयाब नहीं हो पाते। एक आंकड़े के अनुसार, बीते साल तीस हजार लोगों की मौत हेलमेट न पहनने के कारण हुई। फिर भी हम हकीकत को नजरअंदाज करते हैं। उम्मीद है उत्तर प्रदेश सरकार की मुहिम रंग लाएगी।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि फिर उसने मन में धीरज धरकर प्रभु को पहचाना और श्री रघुनाथजी की कृपा से भक्ति प्राप्त की। तब अत्यन्त निर्मल वाणी से उसने (इस प्रकार) स्तुति प्रारंभ की- हे ज्ञान से जानने योग्य श्री रघुनाथजी! आपकी जय हो! मैं (सहज ही) अपवित्र स्त्री हूँ, और हे प्रभो! आप जगत को पवित्र करने वाले, भक्तों को सुख देने वाले और रावण के शत्रु हैं। हे कमलनयन! हे संसार (जन्म-मृत्यु) के भय से छुड़ाने वाले! मैं आपकी शरण आई हूँ, (मेरी) रक्षा कीजिए, रक्षा कीजिए॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

मुनि श्राप जो दीन्हा अति भल कीन्हा परम अनुग्रह मैं माना।
देखेउँ भरि लोचन हरि भव मोचन इहइ लाभ संकर जाना॥
बिनती प्रभु मोरी मैं मति भोरी नाथ न मागउँ बर आना।
पद कमल परागा रस अनुरागा मम मन मधुप करै पाना॥

मुनि ने जो मुझे शाप दिया, सो बहुत ही अच्छा किया। मैं उसे अत्यन्त अनुग्रह (करके) मानती हूँ कि जिसके कारण मैंने संसार से छुड़ाने वाले श्री हरि (आप) को नेत्र भरकर देखा। इसी (आपके दर्शन) को शंकरजी सबसे बड़ा लाभ समझते हैं। हे प्रभो! मैं बुद्धि की बड़ी भोली हूँ, मेरी एक विनती है। हे नाथ ! मैं और कोई वर नहीं माँगती, केवल यही चाहती हूँ कि मेरा मन रूपी भौंरा आपके चरण-कमल की रज के प्रेमरूपी रस का सदा पान करता रहे॥

जेहिं पद सुरसरिता परम पुनीता प्रगट भई सिव सीस धरी।
सोई पद पंकज जेहि पूजत अज मम सिर धरेउ कृपाल हरी॥
एहि भाँति सिधारी गौतम नारी बार बार हरि चरन परी।
जो अति मन भावा सो बरु पावा गै पति लोक अनंद भरी॥

जिन चरणों से परमपवित्र देवनदी गंगाजी प्रकट हुईं, जिन्हें शिवजी ने सिर पर धारण किया और जिन चरणकमलों को ब्रह्माजी पूजते हैं, कृपालु हरि (आप) ने उन्हीं को मेरे सिर पर रखा। इस प्रकार (स्तुति करती हुई) बार-बार भगवान के चरणों में गिरकर, जो मन को बहुत ही अच्छा लगा, उस वर को पाकर गौतम की स्त्री अहल्या आनंद में भरी हुई पतिलोक को चली गई॥

(क्रमशः..)

अर्थव्यवस्था की ताकत बनता कृषि क्षेत्र

ट्रंप के टैरिफ वार के दौरान ही 2025 वित्तीय वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी के परिणाम इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाते है कि ट्रंप द्वारा हमारी अर्थव्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था करार देने के बावजूद चीन से भी हमारी जीडीपी विकास दर अधिक रही है। राष्ट्रीय सांख्यिकी संगठन एनएसओ द्वारा जारी रिपोर्ट के अनुसार जीडीपी 7.8 प्रतिशत रही है। यह पिछले एक साल यानी कि अप्रैल-जून 2024, जुलाई-सितंबर 2024, अक्टूबर-दिसंबर 2024 और जनवरी-मार्च 2025 की तुलना में भी अधिक है। सबसे खासबात यह है कि जीडीपी में बढ़ोतरी का श्रेय कृषि और सर्विस सेक्टर को जा रहा है। कृषि सेक्टर ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि वह अर्थ व्यवस्था का प्रमुख स्तंभ है और तेजी से विकसित होती भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। निश्चित रुप से इसका श्रेय अन्नदाता को तो जाता ही है इसके साथ ही सरकार की किसानोन्मुखी और कृषिनोन्मुखी नीति को भी जाता है। कृषि और संबंध क्षेत्र जिसमें कृषि के साथ ही पशुपालन, वानिकी और मत्स्य पालन शामिल है। एक मोटे अनुमान के अनुसार भारतीय अर्थव्यवस्था में कृषि क्षेत्र का 14 प्रतिशत योगदान है तो प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रुप से 50 प्रतिशत से अधिक लोगों की आजीविका एग्रीकल्चर सेक्टर पर आज भी निर्भर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के स्वप्न को पूरा करने में कृषि क्षेत्र में भी पीछे नहीं रहने वाला है। देश में करीब 51 प्रतिशत यानी कि 159 मिलियन हैक्टेयर भूमि में खेती हो रही है। इसमें से 50 प्रतिशत से कुछ अधिक भूमि ही सिंचित है जबकि बहुत बड़ा क्षेत्र मानसून की मेहरबानी पर निर्भर है। यह एक सकारात्मकता है कि इस साल अभी तक मानसूनी बरसात औसत से अधिक और अच्छी बरसात हुई है। पिछले सालों में भी मानसून अनुकूल रहने से कृषि उत्पादन में बढ़ोतरी हुई है।

कृषि और अन्नदाता की महत्ता को कोरोना काल ने बेहतर तरीके से समझा दिया है। कोरोना काल में कृषि सेक्टर ने दो तरह से सहभागिता निभाई। एक तो जहां सब कुछ लॉक डाउन की भेंट चढ़ रहा था यहां तक कि घर में कैद होकर रह गए थे तब भी कृषि सेक्टर अपनी प्रभावी भूमिका निभाता रहा वहीं दूसरी और अन्नदाता की मेहनत से देश के गोदामों में भरे खाद्यान्नों के भण्डारों ने देश में खाद्यान्न की उपलब्धता बनाये रखी। आज भी करीब 80 करोड़ देशवासियों को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना में मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। यह अपने आप में बड़ी बात है। योजनाबद्ध तरीके से एक और किसानों की आय बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं वहीं खासतौर से दलहन-तिलहन में भी देश को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास जारी है। किसान सम्मान निधि किसानों के लिए बड़ा सहारा बनती जा रही हैं वहीं ब्याजमुक्त कृषि ऋण, केसीसी का बढ़ता दायरा और ई नाम मण्डी, प्रसंस्करण उद्योगों को बढ़ावा, स्टोरेज सुविधा बढ़ाने के साथ ही समय पर खाद-बीज आदि की उपलब्धता का प्रभाव सामने हैं। एनएसओ की रिपोर्ट के अनुसार कृषि क्षेत्र की जीडीपी में भागीदारी 3.7 प्रतिशत रही है जबकि साल भर पहले यह 1.5 थी। ऐसे में यह अपने आप में आशा का संचार है। निर्यात के क्षेत्र में भी कृषि सेक्टर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। दरअसल अमेरिका और ट्रंप का निशाना हमारा कृषि क्षेत्र और डेयरी क्षेत्र प्रमुखता से हैं।

अमेरिका के आगे सरेण्डर होने के स्थान पर हमारी सरकार ने ट्रंप के टैरिफ से निपटने का संकल्प लिया है यह अपने आप में बड़ी बात है। हो सकता है कि आने वाली तिमाही में ट्रंप टैरिफ का असर दिखाई दे पर जिस तरह से सरकार द्वारा वैकल्पिक प्रयास आरंभ किये जा रहे हैं उससे लगता है कि अर्थ व्यवस्था पर नकारात्मक असर नहीं होगा या होगा भी तो देश इससे निपटने को तैयार है। 50 प्रतिशत टैरिफ की चुनौती को आज समूचा देश निपटने को तैयार है। हालांकि ट्रंप ने सोचा था कि हम सरेण्डर कर देंगे, ड़र जाएंगे पर अब गीदड़ भभकी बेअसर होती देखकर ट्रंप की खीज अवश्य बढ़ने लगी है। पर यह नहीं भूलना चाहिए कि ट्रंप को अपने देश में ही अपनी तुगलकी नीति के कारण देर सवेर मुंह की खानी पड़ेगी। हालांकि अमेरिकी कोर्ट ने ट्रंप के टैरिफ निर्णय को अनुचित करार दे दिया है। आने वाले दिनों में इसके प्रभाव अमेरिका में और अधिक दिखाई देंगे क्योंकि हम और हमारी सरकार ट्रंप की चुनौती से निपटने के लिए मानसिक रुप से तैयार हो चुकी है।

खैर यह विषयांतर होगा। कहने का अर्थ है कि यह और आने वाले साल भी खेती-किसानी के लिए सकारात्मक ही होंगी।

रबी के अच्छे परिणाम आये हैं। चालू खरीफ में अच्छे मानसून के चलते अच्छी बुवाई हुई है। बुवाई क्षेत्र बढ़ा है। सरकार भी बड़े लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। हालांकि यह कटु सत्य है कि ग्रामीण रहवासियों की आजीविका का प्रमुख माध्यम खेती ही है तो समूचे देश की खाद्य सुरक्षा की जिम्मेदारी भी इसी क्षेत्र के पास है। अमेरिकी नीति के कारण निर्यात पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभाव को भी अन्य देशों को निर्यात बढ़ाकर पूर्ति करने की बड़ी चुनौती है। इसके साथ ही खेती किसानी की अपनी चुनौतियां बरकरार है। आज भी कुल कृषि उत्पादन का 10 से 15 प्रतिशत उत्पादन फसलोत्तर सुविधाओं की कमी के कारण बर्बाद हो जाता है। कृषि जोत कम होती जा रही है। बढ़ते शहरीकरण का प्रभाव भी पड़ रहा है। कृषि क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज, परिवहन की कोल्ड चेन और भण्डारण की बेहतर व्यवस्थाओं की दरकार है। कृषि प्रसंस्करण क्षेत्र और फूड पार्क जिस तरह से आकार लेने चाहिए थे वे ले नहीं पाये है। बीमा क्षेत्र में भी बहुत किया जाना अपेक्षित है तो कृषि उपज की खरीद व्यवस्था और एमएसपी खरीद को लेकर भी तेजी से काम किया जाना है। सरकार को एक बात समझनी चाहिए कि खेती क्षेत्र में जो भी सब्सिडी देय है उसे उत्पादकता से जोड़ा जाये यथा कृषि इनपुट या यों कहे कि खाद-बीज, कीटनाशक आदि के किट के रुप में उपलब्ध कराया जाये तो उसका लाभ अनुदानित राशि के स्थान पर इनपुट मिलने से उसका उपयोग खेती किसानी में ही होने से उत्पादन और उत्पादकता बढ़ाने में ही होगा। इसी तरह से खरीद व्यवस्था में बहुत सुधार के बावजूद अभी भी बहुत करते हुए बिचौलियों को व्यवस्था से दूर करना होगा। खैर यह सब दीर्घकालीन सुधार कार्य है पर बेहतर जीडीपी प्रदर्शन और कृषि क्षेत्र की उल्लेखनीय हिस्सेदारी को प्रोत्साहित करते हुए सराहना की जानी चाहिए।

- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

प्रदेश में छात्र संघ चुनाव का औचित्य

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय और राज्य के अन्य शिक्षण संस्थानों में छात्र संघ चुनावों का इतिहास संघर्षों और विवादों से भरा रहा है। छात्र राजनीति ने न केवल नेताओं को जन्म दिया, बल्कि यह लोकतंत्र, समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करने का एक सशक्त माध्यम रही है। छात्र जब कॉलेज और विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसका दृष्टिकोण केवल शिक्षा तक सीमित नहीं रहता। वह समाज, लोकतंत्र और अपने अधिकारों को समझने लगता है। छात्र संघ और विभिन्न आंदोलनों में भाग लेने से उसे नेतृत्व, जिम्मेदारी और समाज के प्रति संवेदनशीलता का अनुभव मिलता है। यही वह समय है जब छात्र भविष्य के नागरिक और नेता के रूप में परिपक्व होते हैं।

छात्र संघ चुनावों पर पहली बार 1985 में रोक लगाई गई थी। इसके बाद 1988 में नासिर खान की हत्या के बाद चुनावों पर पुनः रोक लगाई गई। 1995 में कुलदीप पठानिया की हत्या के बाद भी चुनावों पर प्रतिबंध रहा। 2000 में यह प्रतिबंध हटाया गया, लेकिन 2014 में कुलपति पर हमले और बढ़ते तनाव के कारण चुनावों पर स्थायी रोक लगा दी गई। इन घटनाओं ने प्रशासन को चुनावों पर रोक लगाने के लिए मजबूर किया। छात्र संघ चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं आम हो गई थीं, जिसके कारण न केवल छात्रों की जानें गईं, बल्कि विश्वविद्यालय की संपत्ति को भी भारी नुकसान हुआ। 2010 में विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न छात्र संगठनों के बीच हुई झड़पों में कई कमरे, पुस्तकालय और उपकरण क्षतिग्रस्त हुए।

इन घटनाओं ने चुनावों पर रोक लगाने को अपरिहार्य बना दिया। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय ने विश्वविद्यालयों में हिंसा और अव्यवस्था को लेकर कई महत्वपूर्ण आदेश दिए हैं। 2012 में हुई हिंसा के बाद उच्च न्यायालय ने शिमला के पुलिस महानिरीक्षक से रिपोर्ट तलब की कि क्या विश्वविद्यालय के छात्रावासों में केवल छात्र ही रह रहे हैं या बाहरी लोग भी शामिल हैं। अदालत ने यह भी पूछा कि ऐसे बाहरी लोगों के खिलाफ क्या कार्रवाई की गई और परिसर में सुरक्षा सुनिश्चित की गई। देश के अन्य शिक्षण संस्थानों में स्थिति अलग है। राजस्थान में इस सत्र छात्र संघ चुनाव नहीं होंगे, क्योंकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू हो रही है। पश्चिम बंगाल में 2017 से अब तक छात्र संघ चुनाव नहीं हुए हैं। झारखंड (रांची विश्वविद्यालय) में पिछले पांच वर्षों से चुनाव नहीं हो रहे हैं। पांडिचेरी विश्वविद्यालय में छात्र चुनाव 2019 के बाद स्थगित हैं। पटना विश्वविद्यालय ने हाल ही की हिंसा और माहौल की चिंता के चलते छात्र संघ चुनाव 'शांत स्थिति आने पर' ही संभव होने की बात कही। जेएनयू में 2008-2012 तक चुनाव बंद रहे, अब वहां चुनाव पुनः शुरू हो चुके हैं। हिमाचल प्रदेश की राजनीति में कई नेता छात्र राजनीति से उभरे हैं। इनमें प्रमुख हैं- सतपाल सत्ती, कामरेड राकेश सिंघा, केवल सिंह पठानिया, और भी। इसके अलावा, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय से निकलकर राष्ट्रीय स्तर के छात्र नेता बने आशीष चौहान (अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के राष्ट्रीय संगठन मंत्री), निगम भंडारी (भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ) और विक्रम सिंह (स्टूडेंट फेडरेशन ऑफ इंडिया) शामिल हैं। ये नेता न केवल छात्र राजनीति में सक्रिय रहे, बल्कि बाद में राष्ट्रीय स्तर पर नेतृत्व क्षमता और सामाजिक समझ का प्रदर्शन कर चुके हैं। हालांकि, छात्र संघ चुनावों पर रोक के बावजूद, 2025 के मानसून सत्र में विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा हुई। 22 अगस्त 2025 को भाजपा विधायक विपिन सिंह परमार ने छात्र संघ चुनावों की बहाली की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि छात्र संघ चुनाव भविष्य के नेताओं को तैयार करने का एक महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

इसके जवाब में शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने कहा कि वर्तमान में छात्र संघ चुनाव बहाल नहीं किए जाएंगे, क्योंकि चुनावों के दौरान हिंसा की घटनाएं बढ़ जाती हैं। हालांकि, उन्होंने भविष्य में इस मुद्दे पर विचार करने की बात भी कही। छात्र राजनीति न केवल नेताओं को जन्म देती है, बल्कि यह समाज और राष्ट्र के प्रति जागरूकता और समझ भी उत्पन्न करती है। चुनावों में हिंसा की घटनाएं चिंता का विषय हैं, लेकिन लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी से युवाओं में जिम्मेदारी और सामाजिक चेतना का विकास होता है। अतः यह आवश्यक है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल किया जाए, साथ ही साथ हिंसा और संपत्ति को हुए नुकसान को रोकने के लिए ठोस उपाय किए जाएं। छात्र जब विश्वविद्यालय में पढ़ता है, तो उसके विचार, समझ और जिम्मेदारी का निर्माण छात्र राजनीति के अनुभवों से होता है। नेतृत्व क्षमता, समाज के प्रति संवेदनशीलता और राष्ट्र के प्रति जागरूकता छात्र इसी समय सीखते हैं। यही कारण है कि छात्र संघ चुनावों को बहाल करना न केवल युवाओं के लिए आवश्यक है, बल्कि यह लोकतंत्र और समाज की मजबूती के लिए भी जरूरी है। सियासी गतिविधियों में भाग लेकर छात्रों में नेतृत्व के गुण पैदा होते हैं। यहीं से निकली पौध आगे चलकर देश को अच्छा नेतृत्व दे सकती है। इस दृष्टि से छात्र संघ चुनाव होने ही चाहिए।

-सिकंदर बंसल
शिक्षाविद

राशिफल

भाद्रपद माह, शुक्ल पक्ष दशमी — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
भाग्य साथ देगा, लाभ के योग बन रहे हैं। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। कार्यों की विघ्न, बाधा खत्म होगी।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
जीवनसाथी का सानिध्य मिलेगा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी होगी। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
बच के पार करें। परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य प्रभावित हो रहा है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे लेकिन थोड़ा सा स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
संतान पक्ष से थोड़ा मन खिन्न रहेगा। प्रेम में तू तू मैं मैं के संकेत हैं। विद्यार्थियों के लिए अच्छा समय।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
गृह कलह के संकेत हैं। लेकिन भौतिक सुख सुविधा में वृद्धि होगी। मां के स्वास्थ्य में सुधार।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
पराक्रम रंग लाएगा। रोजी रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य पहले से बेहतर। प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
धन का आवक बढ़ेगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मित्रों में वृद्धि होगी। सबके साथ बहुत आनंददायक जीवन गुजारेंगे।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
पॉजिटिव का संचार होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर होगा, प्रेम संतान का साथ होगा। व्यापार अच्छा रहेगा , लाभ के संकेत।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
मन परेशान रहेगा खर्च की अधिकता रहेगी। चिंताकारी सृष्टि का सृजन होगा। स्वास्थ्य मध्यम, प्रेम, संतान अच्छा।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
नए-नए स्रोत बनेंगे आय के। पुराने स्रोत भी कायम रहेंगे। यात्रा का योग बनेगा। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा रहेगा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
व्यावसायिक स्थिति सुदृढ़ होगी। कोर्ट कचहरी में विजय मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा है, प्रेम संतान का साथ है।

सेक्टर-62 स्थित रजत बिहार में सरस्वती शिशु मंडल के महामंत्री तथा आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष अमित नागपाल के आवास पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनने के बाद उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष श्रीमती विमला बाथम का स्वागत करते आरडब्ल्यूए के जनरल सेक्रेटरी गोपाल शर्मा, वाईस प्रेसिडेंट दीप्ति अग्रवाल ,सेक्रेटरी ममता कांडपाल, मेंबर उषा शर्मा, रमेश गुप्ता, मुकेश सिंघल, आरके सिंह भगत आदि लोग।

सपाईयों ने किया शिवपाल यादव का स्वागत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं कद्दावर नेता शिवपाल सिंह यादव के ग्रेटर नोएडा आगमन पर पार्टी के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष सुधीर भाटी के नेतृत्व में परी चौक पर स्वागत किया गया। शिवपाल यादव सोमवार को एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए ग्रेटर नोएडा आये थे। अवसर पर उनके स्वागत के लिए जिले के कोने कोने से सैकड़ों कार्यकर्ता परी चौक पर उपस्थित रहे।

इस मौके पर उपस्थित कार्यकर्ताओं से शिवपाल सिंह यादव ने उपस्थित कार्यकर्ताओं से संविधान बचाने और लोकतंत्र की रक्षा के लिए भाजपा को हटाने और अखिलेश यादव को उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाने के लिए समाजवादी पार्टी को बूथ स्तर पर मजबूत करने का आह्वान किया।इस मौके पर मुख्य रूप से राजकुमार भाटी, वीर सिंह यादव, फकीर चंद

नागर, इन्दर प्रधान, गजराज नागर, सुनील भाटी देवटा, रामशरण नागर एडवोकेट, जिला महासचिव सुधीर तोमर, दीपक भाटी देवटा, जगवीर नंबरदार, रोहित मत्ते गुर्जर, गजेंद्र यादव, शौकत अली चेची, अनूप तिवारी, रविंद्र यादव, विनय शर्मा, विपिन सेन, हैप्पी पंडित, कपिल सैफी ननका, यूनुस प्रधान, मेराजुद्दीन उस्मानी, सत्यप्रकाश नागर, देवेन्द्र वर्मा, विष्णु सिंह, राजेश गौंड, उपेंद्र यादव, गौरव यादव आदि मौजूद रहे।

दलित शोषण मुक्ति मंच का त्रिवार्षिक जिला सम्मेलन संपन्न

नोएडा (चेतना मंच)। दलितों पर बढ़ते उत्पीड़न को लेकर दलित शोषण मुक्ति मंच नोएडा का सम्मेलन सेक्टर- 8, नोएडा कार्यालय पर मंच के अध्यक्ष रमाकांत सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन की जानकारी देते हुए मंच के सचिव कामरेड धर्मेंद्र गौतम ने बताया कि देश व उत्तर प्रदेश में दलितों पर अत्याचार व उत्पीड़न की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही है। सम्मेलन में दलितों शोषितों पर बढ़ते हमलों पर विचार विमर्श कर संघर्ष की रणनीति तय की गई साथ ही सम्मेलन में पिछले 3 साल के कामकाज की समीक्षा और आगामी 3 वर्षों के भविष्य की दिशा तय की गई तथा नई कमेटी का चुनाव किया गया जिसमें अध्यक्ष रमाकांत सिंह, सचिव धर्मेंद्र गौतम, कोषाध्यक्ष दुर्गा प्रसाद, उपाध्यक्ष हरकिशन सिंह, धनराज गौतम, सहसचिव बलराम, मेहंदी, तथा कार्यकारणी सदस्य मुकेश कुमार, भीखू प्रसाद चुने गए। सम्मेलन में मंच के पदाधिकारी रमाकांत सिंह, हरकिशन सिंह, धर्मेंद्र गौतम, भीखू प्रसाद आदि आदि ने अपने विचार रखें।

सम्मेलन में उद्घाटन भाषण मंच के दिल्ली राज्य अध्यक्ष कामरेड ब्रह्मजीत सिंह और समापन भाषण मंच के गाजियाबाद अध्यक्ष तिरफूल सिंह ने रखा।

श्रीकृष्ण की लीलाओं से गुंजा डेल्टा-1 का पीपल महादेव मंदिर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एकल श्रीहरि बनवासी फाउंडेशन के अंतर्गत डेल्टा-1 स्थित श्री पीपल महादेव मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा का पंचम दिवस सोमवार को बड़े श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ संपन्न हुई। कथा व्यास साध्वी प्रीति पाराशर जी ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया।

कथा में पूतना उद्धार, नामकरण संस्कार, बाल लीला, गौ-चारण लीला और गोवर्धन पूजा प्रसंग का वर्णन किया गया। साध्वी जी ने श्रोताओं को बताया कि किस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अपनी छोटी उंगली पर गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा की थी। सात दिन तक पर्वत धारण कर उन्होंने इंद्र के अहंकार को दूर किया और गोवर्धन पूजा का महत्व स्थापित किया।

कथा स्थल पर श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी रही। श्रोताओं ने भक्ति संगीत और लीलाओं के दिव्य प्रसंगों का आनंद लिया।

इस अवसर पर यजमान के रूप में अनुज सिंघल, कंचन कुमार, प्रमोद भाटी, सीमा बंसल, अंजू पुंडीर, अतुल गर्ग, ओमप्रकाश पूनम अग्रवाल, बबीता बंसल, सरोज तोमर, सरोज अरोड़ा, ममता सिंह, साधना, रश्मि अरोड़ा और अर्चना वशिष्ट सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव के कल ग्रेटर नोएडा आगमन पर उनका स्वागत करते सभा अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव चौधरी हसीरूद्दीन खान।

पूनम मिश्रा बनी नोएडा में एडीसीपी

लखनऊ (ब्यूरो)। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार दोपहर दो पीपीएस अफसरों के तबादले कर दिए। गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट में तैनात सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती पूनम मिश्रा को गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर तैनात किया गया है।

उत्तर प्रदेश के अपर पुलिस महानिदेशक (प्रशासन) प्रशांत कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। उत्तर प्रदेश में जिन दो पीपीएस अफसरों के तबादले किए गए हैं उनमें अपर पुलिस अधीक्षक कुंभ मेला प्रयागराज से उपसेनानायक 42वीं वाहिनी पीएसी प्रयागराज के पद पर स्थानांतरणाधीन प्रवीण सिंह चौहान को अपर पुलिस अधीक्षक जनपद बागपत बनाया गया है। वहीं गाजियाबाद में तैनात सहायक पुलिस आयुक्त श्रीमती पूनम मिश्रा को गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त के पद पर भेजा गया है।

दादरी के करन कौशिक ने लिखी भजन सम्राट कन्हैया मित्तल पर किताब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दादरी के आदर्श नगर निवासी करन कौशिक ने एक बार फिर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। आईटी कंपनी में कार्यरत रहते हुए उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से भजन सम्राट कन्हैया मित्तल के जीवन पर आधारित पुस्तक 'संघर्ष ही सफलता की राह' लिखी है।

इस पुस्तक का विमोचन हाल ही में ग्रेटर नोएडा स्थित द वेडिंग टाउन में आयोजित भव्य भजन संध्या के दौरान हुआ। खास बात यह रही कि स्वयं भजन सम्राट कन्हैया मित्तल ने मंच पर करन कौशिक को बुलाकर सम्मानित किया। दादरी में यह खबर चर्चा का विषय बनी हुई है।

करन ने बताया कि इस पुस्तक को लिखने में उन्हें पाँच माह से अधिक का समय लगा। आईटी कंपनी में नौकरी के साथ-साथ उन्होंने रात के समय का उपयोग कर यह कार्य पूरा किया। उनका परिवार लंबे समय से शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ा हुआ है, जिससे उन्हें लगातार प्रेरणा मिलती रही।

करन कौशिक इससे पहले देश को पहचानो नामक जनरल नॉलेज की पुस्तक भी लिख चुके हैं, जिसे लंदन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिल चुका है। अब उनका अगला लक्ष्य राजस्थान के सीकर स्थित खाटू श्याम जी को वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज कराना है।

उत्तर रेलवे

शुद्धिपत्र

इलेक्ट्रॉनिक निविदा ई प्रणाली के अंतर्गत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य सामग्री प्रबंधक उत्तर रेलवे नई दिल्ली – 110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदो के लिए ई – निविदा आमंत्रित की जाती है:–

क्र.सं.	निविदा सं.	संछिप्त विवरण	मात्रा	अन्तिम तिथि	सूचना संख्या
1.	82245048	तरल चिकित्सा ऑक्सीजन	3,40,008 घन मापी	04.09.2025	2536/2025
2.	उपर्युक्त निविदा के मद्देनजर शुद्धिपत्र जारी किया गया है				

निविदा शर्तें : 1. विस्तृत जानकारी IREPS वेबसाइट यानि www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जाएगी। टेंडर नोटिस सं. टेबलेट/इंजेक्शन और दवाएं दिनांक: 29.08.2025 2637/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

पृष्ठ एक के शेष....

कमांडेंट नरेश शर्मा...

वरिष्ठ अधिवक्ता हैं, जबकि उनके दो अन्य भाई प्रमोद एवं राजीव उद्यमी हैं।

नरेश शर्मा के भाई एवं वरिष्ठ अधिवक्ता संजय शर्मा ने बताया कि वह शुरू से ही मेधावी छात्र थे। बचपन से ही उनमें देश सेवा का जज्बा कूट-कूट कर भरा हुआ था। अपनी प्रारंभिक शिक्षा के दौरान ही उन्होंने देश की सेवा में जाने का लक्ष्य निर्धारित किया था। इसे पूरा करने के लिए वह दिन रात कड़ी मेहनत से अपनी पढ़ाई करते थे। नरेश शर्मा ने सदर सराय स्थित भवानी शंकर इंटर कॉलेज से 12वीं कक्षा पास करने के बाद मेरठ यूनिवर्सिटी से बीएससी की। वर्ष 1995 में वह यूपीएससी द्वारा आयोजित परीक्षा उत्तीर्ण कर सीआरपीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट के पद पर नियुक्त हुए थे। माउंट आबू में ट्रेनिंग करने के पश्चात उन्हें मणिपुर में पहली पोस्टिंग मिली थी। करीब 7 वर्ष बाद वह सीआरपीएफ में डिप्टी कमांडेंट बने। डिप्टी कमांडेंट के रूप में उन्होंने विशाखापट्टनम में अपनी सेवाएं दी। वर्ष 2008 में वह सेकंड इन कमांड (टूआईसी) के पद पर पदोन्नत हुए और उनका ट्रांसफर चंडीगढ़ हो गया। वर्ष 2015 में उन्हें सीआरपीएफ में कमांडेंट बना कर भुवनेश्वर भेजा गया। इसके बाद उन्होंने डेपुटेशन पर करीब 6 साल तक दिल्ली एवं मानेसर में नेशनल सिक्योरिटी गार्ड (एनएसजी) के ग्रुप कमांडर के पद पर अपनी सेवाएं दी। अपने इस सेवा काल के दौरान उन्होंने कई अहम ऑपरेशन में भी हिस्सा लिया। हाल ही में उन्हें सीआरपीएफ में डीआईजी के पद पर पदोन्नति किया गया है। वर्तमान में वह उड़ीसा में पोस्टेड हैं। डीआईजी नरेश शर्मा के एक पुत्र और एक पुत्री है। उनके बड़े बेटे यूएस में पीएचडी कर रहे हैं और उन्हें स्कॉलरशिप मिली हुई है। उनकी बेटी ने डीयू से हाल ही में अपना ग्रेजुएशन पूरा किया है।

नरेश शर्मा के डीआईजी बनने पर उनके परिजनों व निठारी गांव में हर्ष व्याप्त है। निठारी गांव के ग्रामीणों का कहना है कि नरेश शर्मा बचपन से ही प्रतिभाशाली, मेहनती मृदुभाषी थे। डीआईजी नरेश शर्मा ने अपनी प्रतिभा और मेहनत से गांव व क्षेत्र का मान सम्मान बढ़ाया है। उनकी यह कामयाबी क्षेत्र के लिए गौरवमयी है।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com raghuvanshirampal365@gmail.com raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in www.chetnamanch.com

सड़क हादसों...

लिखवाने के लिए दीपक का छोटा भाई कुलदीप कई बार थाने गया और अपने बयान लिखवाए। लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपी वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने की मांग की। न्यायालय के निर्देश पर थाना दादरी में बाइक चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

थाना दनकौर में ग्राम रोनीजा निवासी सतपाल ने सड़क हादसे में अपने भाई की मृत्यु होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि उनका भाई विकास सिंह बीपीएल कंपनी में काम करता था। 30 अगस्त की रात्रि को वह अपने साथी देवव्रत कौशिक के साथ ड्यूटी खत्म कर बाइक से घर लौट रहा था। यमुना एक्सप्रेसवे के सर्विस रोड पर सड़क निर्माण कार्य में लगे हाईवे के चालक ने अचानक हाईवा को बैक कर दिया। हाईवे की चपेट में आने से विकास सिंह व देवदत्त कौशिक गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद लोगों ने इस हादसे की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने दोनों घायलों को कांशीराम अस्पताल में भर्ती कराया। गंभीरी स्थिति को देखते हुए परिजन दोनों को इलाज के लिए यथार्थ अस्पताल ले आए। 21 अगस्त को विकास सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई।

थाना दनकौर पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर हाईवा चालक के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वहीं थाना ईकोटेक-3 में हबीबपुर निवासी राम सरोज ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 12 अगस्त की शाम को उनके पुत्र शिवा अपने दोस्त के साथ बाइक से जा रहा था उनकी बाइक जैसे ही हबीबपुर गेट के पास पहुंची तो पीछे से तेज गति में आ रहे क्रेन चालक ने बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शिव वह उसका दोस्त सचिन घायल हो गया। उपचार के लिए दोनों को शारदा अस्पताल लाया गया जहां चिकित्सकों ने शिवा को मृत घोषित कर दिया। इस हादसे में घायल सचिन कुमार का इलाज चल रहा है। पुलिस का कहना है की पीड़ितों की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। पीड़ितों द्वारा उपलब्ध कराए गए वाहन नंबरों के आधार पर आरोपी चालकों की तलाश की जा रही है।

ब्लैकमेलर के डर...

राधा शर्मा व उसके बेटे हर्षित का कहना है कि अगर उन्होंने केस वापस नहीं लिया तो इसका अंजाम ठीक नहीं होगा। राकेश के मुताबिक हर्षित की हरकतों की वजह से उसकी बेटी कॉलेज भी नहीं जा रही है। जैसे ही वह घर से निकलती है तो हर्षित उसे रास्ते में रोककर गलत कमेंट करने तथा केस वापस न लेने पर अंजाम भुगतने की धमकी देता है। पीड़ित ने आशंका जताई है कि हर्षित व उसकी मां कभी भी उसकी बेटी के साथ किसी गलत घटना को अंजाम दे सकते हैं। पीड़ित की शिकायत पर थाना जेवर पुलिस ने मां-बेटे के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

अधिवक्ता के प्लॉट...

अधिवक्ता के मुताबिक उसने दबंग किस्म के आरोपियों के खिलाफ पुलिस में शिकायत की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद उसने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई किए जाने की मांग की। न्यायालय ने प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करने के पश्चात थाना दनकौर पुलिस को आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के निर्देश दिए हैं। पीड़ित के शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

महत्वपूर्ण सूचना

त्यौहार विशेष रेलगाड़ियाँ –2025

आगामी त्यौहारों के दौरान रेलयात्रियों की सुविधा के लिए त्यौहार विशेष रेलगाडियाँ संचालित करने के संबंध में दिनांक 30.08.2025 को विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित सार्वजनिक सूचना में आंशिक संशोधन किया गया है और अब निम्नलिखित रेलगाडियाँ इनके समक्ष दर्शायी गई तिथियों को निम्न समय–सारणी के अनुसार संचालित की जाएंगी:–

04450/04449 नई दिल्ली-दरभंगा जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04450		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04449	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:10	नई दिल्ली	23:00	---
16:30	---	दरभंगा जं.	---	18:15

चलने की संशोधित तिथि: **04450 नई दिल्ली से** दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04449 दरभंगा जं. से** दिनांक 30.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, गोंडा जं., गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., मुजफ्फरपुर जं. एवं समस्तीपुर जं. स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04450 नई दिल्ली–दरभंगा के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04449** दरभंगा जं.–नई दिल्ली के बीच दिनांक 21.09.2025 से 29.09.2025 तक **दरभंगा जं. से** निरस्त रहेगी।

04454/04453 नई दिल्ली-मानसी जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04454		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04453	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	20:00	नई दिल्ली	03:00	---
23:30	---	मानसी जं.	---	01:10

चलने की संशोधित तिथि: **04454 नई दिल्ली से** दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04453 मानसी जं. से** दिनांक 01.10.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, अलीगढ़ जं., टुण्डला जं., इटावा जं., कानपुर सेंट्रल, उन्नाव जं., ऐशबाग, बादशाहनगर, बाराबंकी जं., गोंडा जं., बस्ती, खलीलाबाद, गोरखपुर जं., देवरिया सदर, सीवान जं., छपरा, सोनपुर, हाजीपुर जं., शाहपुर पटोरी, बरौनी जं., बेगूसराय और खगड़िया जं. स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04454 नई दिल्ली–मानसी जं. के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04453** मानसी जं.–नई दिल्ली के बीच दिनांक 22.09.2025 से 30.09.2025 तक **मानसी जं. से** निरस्त रहेगी।

पर हमें फॉलो करें

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App देखें।

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

04456/04455 नई दिल्ली-धनबाद जं.-नई दिल्ली आरक्षित त्यौहार विशेष एक्सप्रेस (प्रतिदिन) | 144 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04456		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04455	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	22:40	नई दिल्ली	06:00	---
02:20	---	धनबाद जं.	---	04:00

चलने की संशोधित तिथि: **04456 नई दिल्ली से** दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04455 धनबाद जं. से** दिनांक 22.09.2025 से 02.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, आलमनगर, उतरेटिया जं., रायबरेली जं., अमेठी, मां बेल्हा देवी धाम प्रतापगढ़ जं., भदोही, वाराणसी, पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, भभुआ रोड, सासाराम, डेहरी ऑनसोन, अनुग्रह नारायण रोड, गया जं., कोडरमा, हजारीबाग रोड, पारसनाथ और नेताजी सुभाष चन्द्र बोस जं. गोमो स्टेशन।

04458/04457 आनन्द विहार(टर्मि.)-भागलपुर-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) | 144 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04458		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04457	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	13:40	आनन्द विहार(टर्मि.)	22:00	---
14:30	---	भागलपुर	---	18:00

चलने की संशोधित तिथि: **04458 आनन्द विहार(टर्मि.) से** दिनांक 20.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04457 भागलपुर से** दिनांक 21.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन) **स्थान:** शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, कानपुर सेंट्रल, प्रयागराज जं., पं. दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर, आरा, पटना जंक्शन, पटना साहिब, फतुहा, खुसरूपुर, बख्तियारपुर जंक्शन, बाढ़, मोकामा, हाथीदा जंक्शन, बड़हिया, लक्खीसराय जंक्शन, किऊल जंक्शन, कजरा, अभयपुर, धरहरा, जमालपुर जंक्शन, बरियारपुर और सुल्तानगंज स्टेशन।

04016/04015 आनन्द विहार(टर्मि.)-सीतामढ़ी-आनन्द विहार(टर्मि.) आरक्षित त्यौहार विशेष एक्स. (प्रतिदिन) | 126 फेरे

रेलगाड़ी सं. 04016		↓ स्टेशन ↑	रेलगाड़ी सं. 04015	
आगमन	प्रस्थान		आगमन	प्रस्थान
---	15:30	आनन्द विहार(टर्मि.)	18:15	---
15:00	---	सीतामढ़ी	---	16:30

चलने की संशोधित तिथि: **04016 आनन्द विहार(टर्मि.) से** दिनांक 29.09.2025 से 30.11.2025 तक (प्रतिदिन) और **04015 सीतामढ़ी से** दिनांक 30.09.2025 से 01.12.2025 तक (प्रतिदिन)

स्थान: 2 टियर वाता., 3 टियर वाता., शयनयान एवं सामान्य

ठहराव: गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, लखनऊ जं., गोण्डा जं., गोरखपुर जं., कप्तानगंज जं., सिसवा बाजार, बगहा, हरिनगर, नरकटियागंज जं., सिकटा, रक्सौल जं. एवं बैरगनियां स्टेशन।

नोट: गाड़ी सं. 04016 नई दिल्ली–सीतामढ़ी के बीच दिनांक 20.09.2025 से 28.09.2025 तक **नई दिल्ली से** निरस्त रहेगी और **गाड़ी सं. 04015** सीतामढ़ी–नई दिल्ली के बीच दिनांक 21.09.2025 से 29.09.2025 तक **सीतामढ़ी से** निरस्त रहेगी।

उत्तर रेलवे
आपकी सुविधा–हमारा ध्येय
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

भारत ने रोकी एससीओ की सदस्यता

मोदी सरकार पर भड़का यह मुस्लिम देश, पाकिस्तान का है कट्टर दोस्त

बाकू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अजरबैजान ने आरोप लगाया है कि भारत ने उसके शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के पूर्ण सदस्यता के प्रयास को रोक दिया है। अजरबैजान को पाकिस्तान का करीबी समझा जाता है। उसने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान का खुलकर समर्थन किया था। इतना ही नहीं, अजरबैजान इस्लाम के नाम पर कश्मीर मुद्दे पर पाकिस्तान का समर्थन भी करता है। हालांकि, भारत ने अजरबैजानी मीडिया की इन रिपोर्टों पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। आज ही चीन के तियानजिंग में एससीओ शिखर सम्मेलन का समापन हुआ है। इसमें अजरबैजान डायलॉग पार्टनर की हैसियत से शामिल हुआ था।

अजरबैजानी मीडिया न्यूज.एजेड ने लिखा, चीन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) का पूर्ण सदस्य बनने के अज़रबैजान के आवेदन के लिए अपने समर्थन की फिर से पुष्टि की है। इसके विपरीत, मामले से परिचित अधिकारियों ने बताया कि इस प्रक्रिया में बाधा डालने का भारत का निर्णय बहुपक्षीय कूटनीति और शंघाई भावना के सिद्धांतों के विपरीत है, जो यह निर्धारित करता है कि द्विपक्षीय विवादों को बहुपक्षीय मंचों पर प्रदर्शित नहीं किया जाना चाहिए। इस रिपोर्ट में यह भी कहा गया है, भारत की स्थिति अज़रबैजान के पाकिस्तान के साथ भाईचारे के संबंधों से निकटता से जुड़ी हुई है।

इस बीच अजरबैजान के सबसे करीबी दोस्त पाकिस्तान ने आर्मेनिया के साथ द्विपक्षीय संबंध स्थापित करने की कोशिशों को तेज कर दिया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री मुहम्मद इशाक डार ने अपने अर्मेनियाई समकक्ष अरारत मिर्जोयान के साथ टेलीफोन पर बातचीत की, जिसके दौरान दोनों पक्षों ने राजनयिक संबंध स्थापित करने पर विचार करने पर सहमति व्यक्त की। पाकिस्तानी विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया पर इस बातचीत की पुष्टि की है।

आर्मेनिया को दुश्मन मानता है पाकिस्तान

पाकिस्तान ने यह बातचीत तब की है, जब कुछ दिन पहले ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में आर्मेनिया और अजरबैजान ने शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। इससे पहले तक पाकिस्तान लगातार आर्मेनिया की आलोचना करता रहा है और उसे एक आक्रामक देश के रूप में मान्यता दी है।

पाकिस्तान ने यह सब अपने दोस्त देश अजरबैजान को खुश करने के लिए किया है। उधर, अजरबैजानी मीडिया का दावा है कि पाकिस्तान ने यह बातचीत उनके देश के साथ चर्चा करने के बाद की है।

पीओके के गिलगित-बाल्टिस्तान में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त

चालक दल के पांच सदस्यों की मौत

इस्लामाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में सोमवार को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे में दो पायलटों सहित कम से कम पांच चालक दल के सदस्यों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फारक ने एक बयान में कहा कि विमान डायमर जिले के चिलास इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हुआ।

उन्होंने कहा, 'चिलास के थोर में हमारा एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया है।' उन्होंने आगे बताया कि चालक दल में दो पायलट और तीन तकनीकी कर्मचारी शामिल थे। डायमर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अब्दुल हमीद ने एक बयान में कहा कि दुर्घटना में पांच लोग हताहत हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि हेलीकॉप्टर एक नए प्रस्तावित हेलीपैड पर परीक्षण लैंडिंग कर रहा था।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-रूसी तेल से भारतीय ब्राह्मणों को मुनाफा

कीमत पूरा देश चुका रहा, भारत के चीन-रूस के करीब जाने से दुनिया में अशांति फैलेगी

वॉशिंगटन, 2 सितंबर (एजेंसियां)। ट्रम्प के ट्रेड सलाहकार पीटर नवारो ने भारतीय ब्राह्मणों पर रूसी तेल खरीद कर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भारत के ब्राह्मण रूसी तेल से मुनाफा कमा रहे हैं, जिसकी कीमत पूरा भारत चुका रहा है।

नवारो ने कहा कि भारत रूस से तेल खरीदकर उसे यूक्रेन पर हमला करने के लिए पैसे दे रहा है। इसलिए सबसे ज्यादा टैरिफ झेल रहा है। इससे रूस और अमेरिका को नुकसान नहीं हो रहा है, बल्कि आम भारतीयों को हो रहा है। यह बात उन्हें समझना चाहिए।

नवारो ने भारत को 'रूस की धुलाई मशीन' कहा और आरोप लगाया कि भारत न सिर्फ व्यापार असंतुलन बढ़ा रहा है, बल्कि ऐसे गठजोड़ भी मजबूत कर रहा है, जो अमेरिका के हितों के खिलाफ हैं। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने सोमवार को पीटर नवारो की विवादित टिप्पणी पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि अमेरिका को इस तरह के निराधार बयान नहीं देने चाहिए।

इस मुद्दे पर तृणमूल कांग्रेस की राज्यसभा सांसद सागरिका घोष ने भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा- ब्राह्मण शब्द का इस्तेमाल अंग्रेजी बोलने वाली दुनिया में अमीरों के लिए किया जाता है। ऐसे में नवारो का बयान न केवल भ्रामक है बल्कि उनकी अज्ञानता भी दिखा रहा है।

नवारो ने यूक्रेन जंग को 'मोदी वॉर' बताया था

इससे पहले भी नवारो ने ब्लूमबर्ग टीवी के इंटरव्यू में रूस-यूक्रेन जंग को मोदी की जंग बताया था। उन्होंने कहा था कि भारत रूस से सस्ता तेल खरीदकर उसे रिफाइन करता है और ऊंची कीमत पर बेचता है। इससे रूस को जंग के लिए पैसा मिलता है और वो यूक्रेन पर हमला करता है।

नवारो ने चेतावनी देते हुए कहा कि रूस और चीन के साथ भारत के बढ़ते संबंध दुनिया के लिए खतरा बन सकते हैं।

उन्होंने कहा- भारत तुम तानाशाहों के साथ मिल रहे हो। चीन ने अक्साई चिन और तुम्हारे कई इलाके पर कब्जा कर लिया। और रूस? जाने भी दो। ये आपके दोस्त नहीं हैं।

नवारो ने कहा था कि अगर आज भारत, रूस से तेल खरीदना बंद कर दो अमेरिका कल से उसका 25% टैरिफ खत्म कर देगा।

ट्रम्प के सबसे करीबी सलाहकार हैं नवारो

पीटर नवारो को ट्रम्प अपना सबसे करीबी सलाहकार मानते हैं। नवारो ने ट्रम्प के पिछले कार्यकाल में उनकी व्यापार नीति बनाई थी। ट्रम्प सरकार की आर्थिक नीतियां नवारो ही बनाते हैं।

अमेरिका-इजरायल के खिलाफ खुलकर आया भारत

एससीओ ने ईरान पर हमले के लिए लगाई फटकार, दिल्ली का मौन समर्थन

बीजिंग, 2 सितंबर (एजेंसियां)। चीन में एससीओ समिट में ईरान पर इजरायल और अमेरिका के हमले की निंदा की गई है। एससीओ देशों ने अपने घोषणा पत्र में इस साल जून में इजरायल और अमेरिका की ओर से ईरान पर किए गए सैन्य हमलों की कड़ी निंदा की है। अमेरिका और इजरायल की निंदा करने वाले बयान पर दस्तखत करने वाले देशों में भारत भी शामिल है। इसमें खास बात यह है कि भारत ने हमलों के ठीक बाद जून में एससीओ की ओर से जारी उस बयान पर हस्ताक्षर नहीं किए थे, जिसमें अटैक की निंदा की गई थी। भारत ने करीब दो महीने पहले जून में एससीओ यानी शंघाई सहयोग संगठन के बयान से खुद को अलग कर लिया था। इस बयान में ईरान पर इजरायल के हमले की निंदा की गई थी। भारत की एससीओ के बयान से तटस्थता को दिल्ली क इजरायल से बढ़ती नजदीकी से जोड़ा गया था। हालांकि अब भारत ने कड़े शब्दों में ईरान पर हमले के लिए इजरायल और अमेरिका की निंदा का समर्थन किया है।

एससीओ के घोषणापत्र को एक्सपर्ट ट्रंप की टैरिफ घोषणा के बाद भारत और अमेरिका के संबंधों में आए तनाव से जोड़कर देख रहे हैं। भारत ने अमेरिका और उसके खास सहयोगी इजरायल को कड़ा संदेश देने की कोशिश की है। ट्रंप लगातार भारत पर कड़ा रुख दिखा रहे हैं। ऐसे में भारत ने चुपचाप ये जता दिया है कि वह वैश्विक मंचों पर अमेरिका की मुश्किल बढ़ा सकता है।

एससीओ की बैठक के बाद सभी सदस्य देशों के साझा घोषणापत्र में पहलगाम आतंकी हमले की भी कड़े शब्दों में निंदा की गई है। घोषणापत्र में कहा गया कि सभी सदस्य देशों की मृतकों और घायलों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना हैं। ऐसे आतंकी हमलों के दोषियों और मदद करने वालों को न्याय के कटघरे में लाया जाना चाहिए।

एससीओ के सदस्य देशों ने अपने घोषणापत्र में कहा कि आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रतिबद्ध हैं। सदस्य देशों ने कहा कि वे आतंकवाद के खतरे का मुकाबला करने में देशों और उनके सक्षम प्राधिकारियों की भूमिका को मान्यता देते हैं।

इटली पीएम मेलोनी की डीपफेक फोटो वायरल करने वाली वेबसाइट बंद

7 लाख सब्सक्राइबर्स थे

रोम, 2 सितंबर (एजेंसियां)। इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी की अश्लील डीपफेक फोटो पोस्ट करने वाली 'फीका नाम की वेबसाइट बंद हो गई है। यह साइट महिलाओं की आपत्तिजनक फोटो और वीडियो पोस्ट करती थी और 20 साल से एक्टिव थी। 7 लाख सब्सक्राइबर थे और कोई भी यूजर पोर्न सामग्री अपलोड कर सकता था। इस साइट पर मेलोनी, विपक्षी नेता एली श्लीन, ईयू सांसद अलैस्सांद्रा मोरेत्ती और इन्फ्लुएंसर कीआरा फेरग्नानी जैसी जानी-मानी महिलाओं की फर्जी डीपफेक तस्वीरें डाली गई थीं। इन्हें 'वीआईपी सेक्शन' में रखकर लोगों का ध्यान खींचा जाता था। पहली बार सांसद मोरेत्ती ने साइट के खिलाफ मुकदमा किया, जिसके बाद #मी टू जैसे कैंपेन शुरू हुए। 1.7 लाख लोगों ने इसे बंद कराने के लिए याचिका पर साइन किए। भारी विरोध और पुलिस की सख्ती के बाद आखिरकार इसके मालिक ने वेबसाइट बंद कर दी। पीएम मेलोनी ने इसे 'शर्मनाक' बताया और कहा कि 2025 में भी महिलाओं की गरिमा को चोट पहुंचाने वाली हरकतें अस्वीकार्य हैं।

पुतिन की कार में सवार होकर निकले मोदी

लगी है चीनी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट, क्यों चर्चा में आई होटल तक की सवारी

बीजिंग, 2 सितंबर (एजेंसियां)। चीन के तिनजियान में एससीओ की बैठक के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन द्विपक्षीय बैठक के लिए रवाना हो गए। इस दौरान खास बात ये रही कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एक ही कार में निकले। पुतिन के साथ ही मोदी तियानजिन के 5-स्टार रिट्ज-कार्लटन में गए। इसी होटल में दोनों नेताओं की बैठक होनी है।

चीन ने पीएम मोदी के लग्जरी कार मुहैया कराई है लेकिन वह पुतिन की ऑरस कार में बैठे। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन एससीओ समिट के लिए अपनी प्रेजिडेंशियल कार 'औरस' लेकर आए हैं। अपनी इसी से वह चीन में सफर कर रहे हैं। उनकी कार को चीनी डिप्लोमैटिक नंबर प्लेट दिया गया है। पुतिन की कार पर चीनी राजनयिक लाइसेंस प्लेट

लगी हैं। इस कार पर अन्य सभी देशों में मॉस्को की नंबर प्लेट लगी हैं।

पुतिन की ऑरस कार रूस की ऑटोमोबाइल कंपनी ऑरस मोटर्स बनाती है। यह रेट्रो-स्टाइल लग्जरी फीचर्स से लैस है। ऑरस तीन संस्करणों- स्टैंडर्ड सेनेट, सेनेट लॉन्ग और सेनेट लिमोजीन में आती है। यह पूरी तरह से बख्तरबंद है यानी इस पर गोली असर नहीं करती है। इसे पुतिन की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखते हुए तैयार किया गया है।

पुतिन की यह कार इस साल उस वक्त काफी चर्चा में रही थी, जब उन्होंने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन को अपनी यह लक्जरी कार भेंट की है। रूस ने इस साल फरवरी में किम को ऑरस की लक्जरी सेडान दी दी थी, जिसका इस्तेमाल खुद पुतिन करते हैं। पुतिन विदेश यात्रा पर जाते हैं तो अपनी इस कार को साथ लेकर जाते हैं।

नरेंद्र मोदी और व्लादिमीर पुतिन की बैठक में बड़े ऐलान होने की उम्मीद की जा रही है। इससे पहले एससीओ सम्मेलन में बोलते हुए पीएम मोदी ने संयुक्त राष्ट्र की व्यवस्था में बदलाव की मांग की। मोदी ने कहा, 'वैश्विक संस्थानों में रिफॉर्म के लिए एससीओ सदस्य आपसी सहयोग बढ़ा सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र की 80वीं वर्षगांठ पर हम एकमत होकर इसका आह्वान कर सकते हैं।'

पीएम नरेंद्र मोदी ने इस दौरान कहा कि ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को आउटडेटेड फ्रेमवर्क में कैद रखना आने वाली पीढ़ियों से अन्याय है। नई पीढ़ी के बहुरंगी सपनों को हम पुराने जमाने की ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन पर नहीं दिखा सकते, यह तस्वीर बदलनी होगी।

चीनी राष्ट्रपति ने पाक को नजरंदाज किया

आतंकवाद पर पीएम मोदी की फटकार के बाद पाकिस्तान के पीएम शहबाज ने दी सफाई

इस्लामाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। शंघाई सहयोग संगठन यानि एससीओ शिखर सम्मेलन में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा, पाकिस्तान के लिए बहुत बड़ी डिप्लोमेटिक हार मानी जा रही है। ऐसा इसलिए, क्योंकि पहली बात तो ये कि ये सम्मेलन इस बार चीन में हो रहा है और दूसरी बात ये, कि भारतीय प्रधानमंत्री मोदी भी इसमें हिस्सा ले रहे हैं, जिसका ग्लोबल कवरेज हो रहा है। शहबाज शरीफ की पाकिस्तान में काफी आलोचना की जा रही है, क्योंकि वो सिर्फ दो या तीन ही द्विपक्षीय बैठक भी कर पाए, जिनमें से एक तुर्की के साथ था। इस दौरान यहां तक देखने को मिला है कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने भी कुछ मौकों पर उन्हें नजरअंदाज किया है।

एससीओ के मंच पर प्रधानमंत्री मोदी ने सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान को खूब फटकार लगाई है। जिसके बाद एससीओ के ज्वाइंट स्टेटमेंट में बिना पाकिस्तान का नाम लिए सीमा पार आतंकवाद की आलोचना की गई है, जिसमें जोर इस बात पर दिया गया है कि आतंकवादियों और आतंकवादियों के प्रायोजकों को इंसाफ के कटघरे में लाया जाए। जिसके बाद पाकिस्तानी प्रधानमंत्री ने अपने बयान में कहा है कि 'पाकिस्तान अपने सभी पड़ोसी देशों से अच्छे संबंध रखना चाहता है और वो सभी देशों की संप्रभुता का सम्मान करता है।'

शहबाज शरीफ ने एससीओ के मंच से एससीओ सदस्य देशों को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान एससीओए देशों और अपने पड़ोसी देशों की संप्रभुता और अखंडता का सम्मान करता है। शहबाज शरीफ ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा बहुपक्षवाद, संवाद और कूटनीति की शक्ति में विश्वास किया है और एकतरफावाद से परहेज किया है।

फिर भी, हमें गहरा सदमा और निराशा हुई है कि पिछले कुछ महीनों में इस क्षेत्र में बेहद परेशान करने वाली घटनाएं घटी हैं। उन्होंने आगे कहा, पाकिस्तान सभी एससीओ सदस्यों और अपने पड़ोसियों की संप्रभुता और अखंडता का समर्थन और सम्मान करता है।

चीन के 'नाटो' में शामिल होगा नेपाल?

ओली सरकार ने खोल दी ड्रैगन के झूठ की पोल

काठमांडू, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नेपाली प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इन दिनों चीन दौरे पर हैं। उन्होंने शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में एक डायलॉग पार्टनर के तौर पर हिस्सा लिया। इसके अलावा वह द्वितीय विश्व युद्ध की 80वीं वर्षगांठ पर आयोजित चीनी सैन्य परेड में भी शामिल होंगे।

ओली की चीन से नजदीकियां किसी से छिपी नहीं है। उन्हें नेपाल में चीन का कट्टर समर्थक नेता माना जाता है, लेकिन इस बार भारत के दबाव में उन्हें अपनी बीजिंग परस्त नीति से पीछे हटना पड़ा है। इस बार नेपाल ने चीन के नेतृत्व वाली सुरक्षा पहल ग्लोबल सिक्योरिटी इनिशिएटिव (जीएसआइ) से किनारा कर लिया है। इतना ही नहीं, नेपाल ने ग्लोबल सिविलाइजेशन इनिशिएटिव का भी हिस्सा बनने से इनकार किया है।

हूती विद्रोहियों का दावा- लाल सागर में इजरायली तेल टैंकर को मिसाइल से बनाया निशाना, तनाव बढ़ा

दुबई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोहियों ने सोमवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के तट के पास लाल सागर में एक तेल टैंकर पर मिसाइल दागी। इससे इस वैश्विक जल मार्ग पर जहाजों पर उनके हमलों की फिर शुरुआत हो सकती है।

हूती सैन्य प्रवक्ता ब्रिगेडियर जनरल याह्या सारि ने एक रिकॉर्डेड संदेश में इस हमले की जिम्मेदारी ली। यह संदेश हूती नियंत्रित सैटेलाइट न्यूज चैनल अल-मसीरा पर प्रसारित हुआ। उन्होंने दावा किया कि यह 'स्कारलेट रे' जहाज इजरायल से जुड़ा हुआ था। जहाज के मालिकों से तत्काल संपर्क नहीं हो सका।

ब्रिटेन की सेना के यूनाइटेड किंगडम मरीटाइम ट्रेड ऑपरेशंस सेंटर ने बताया कि सऊदी अरब के यानबू इलाके के पास एक जहाज ने पानी में किसी चीज के गिरने की आवाज (छपाक) और

एक धमाका सुना। यह सेंटर मध्य पूर्व में जहाजों की आवाजाही पर नजर रखता है।

नवंबर 2023 से दिसंबर 2024 तक हूती विद्रोहियों ने इजरायल-हमास युद्ध के दौरान गाजा पट्टी में 100 से अधिक जहाजों को मिसाइल और ड्रोन से निशाना बनाया। अब तक अपने अभियान में हूती विद्रोहियों ने चार जहाजों को डुबाया है और आठ नाविकों की जान ली है।

ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने युद्ध के दौरान एक छोटे युद्धविराम के दौरान अपने हमले बंद कर दिए थे। इसके बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश पर एक साप्ताहिक हवाई हमले हुए, जिसके बाद उन्होंने हूती विद्रोहियों के साथ युद्धविराम की घोषणा की। जुलाई में हूती विद्रोहियों ने दो जहाज डुबोए, जिनमें चार लोग मारे गए।

हूती विद्रोहियों के ताजा हमले ऐसे समय में हुए हैं, जब इजरायल और हमास के बीच युद्ध में युद्धविराम को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। वहीं, ईरान के विवादित परमाणु कार्यक्रम का भविष्य भी सवालों के घेरे में है।

पीओके में क्रैश हुआ पाकिस्तानी सेना का हेलिकॉप्टर

दो अधिकारियों समेत पांच जवानों की मौत

इस्लामाबाद, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कब्जे कश्मीर (पीओके) के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में सोमवार तड़के सेना का एक हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें पांच सैन्यकर्मी मारे गए। मृतकों में दो अधिकारी भी शामिल हैं।पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक, एमआई-17 हेलिकॉप्टर नियमित प्रशिक्षण मिशन पर था, जिसमें उड़ान के दौरान तकनीकी खराबी आ गई। इसके बाद चालक दल ने जबरन 'क्रैश-लैंडिंग' की कोशिश की, लेकिन हेलिकॉप्टर हादसे का शिकार हो गया। यह घटना रात करीब 1 बजे हुडोर गांव के पास हुई, जो दियामेर जिले के

ठकदास कैंटोनमेंट से लगभग 12 किलोमीटर दूर है।

इस हादसे में मारे गए पाकिस्तानी सेना जवानों की पहचान हो गई है। जिनमें पायलट इन कमांड मेजर आतिफ, को-पायलट मेजर फैसल, फ्लाइट इंजीनियर नायब सुबेदार मकबूल, क्रू चीफ हवलदार जहांगीर और क्रू चीफ नायक आमिर शामिल हैं। पाकिस्तानी सेना ने कहा कि इस तरह के प्रशिक्षण मिशन, ऑपरेशनल तैयारियों को बनाए रखने के लिए नियमित रूप से कराए जाते हैं। इनका मकसद युद्धकालीन मिशन, ऑपरेशनल सपोर्ट, मानवीय सहायता और आपदा राहत कार्यों में दक्षता बनाए रखना है। इससे पहले गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैज़ुल्लाह फराक ने पहले कहा था कि 'हमारे एक हेलिकॉप्टर' का दियामेर जिले के चिलास इलाके में हादसा हुआ है, जिसमें पांच चालक दल के सदस्य मारे गए। उनके बयान से ऐसा लगा कि यह हेलिकॉप्टर स्थानीय सरकार का था और मारे गए लोग भी वहीं से जुड़े थे। हालांकि कुछ घंटे बाद सेना के मीडिया विंग ने साफ किया कि यह हेलिकॉप्टर सेना का था, जो प्रशिक्षण मिशन पर था। दियामेर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अब्दुल हमीद ने बताया कि हेलिकॉप्टर एक नवनिर्मित प्रस्तावित हेलीपैड पर टेस्ट लैंडिंग कर रहा था, तभी यह हादसा हो गया। बता दें कि पाकिस्तान में पिछले कुछ समय से हेलिकॉप्टर हादसे बढ़े हैं। हाल ही में खैबर पख्तूनख्वा सरकार का एक हेलिकॉप्टर भी दुर्घटनाग्रस्त हुआ था।

दक्षिण चीन सागर से हिंद महासागर तक

चीन ने युद्धपोतों के निर्माण में अमेरिका को छोड़ा पीछे, भारत के दो दोस्तों पर खतरा बढ़ा

बीजिंग, 2 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले 20 सालों में चीन की नौसेना ने काफी तेजी से विस्तार किया है। साल 2025 में चीन को दुनिया के 60 फीसदी युद्धपोतों के निर्माण के ऑर्डर मिले हैं। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक चीन किसी भी अन्य देश की तुलना में ज्यादा जहाज़ बना रहा है क्योंकि वह इसे किसी और देश के मुकाबले तेजी से ऐसा कर सकता है। लंदन स्थित इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रैटेजिक स्टडीज के समुद्री विशेषज्ञ निक चाइल्ड्स ने बीबीसी की रिपोर्ट में कहा है कि यह पैमाना असाधारण है, कई मायनों

में आंखें फाड़ देने वाला है। चीनी जहाज निर्माण क्षमता संयुक्त राज्य अमेरिका की कुल क्षमता से करीब 200 गुना ज्यादा है।

डालियान और जियांगनान जैसे विशाल शिपयार्डों से लेकर दक्षिण चीन सागर के सैन्य ठिकानों तक, बीजिंग ने काफी तेजी से युद्धपोत और एयरक्राफ्ट कैरियर के निर्माण में तेजी लाई है। उसकी कोशिश दुनिया की सबसे ताकतवर नौसेना का निर्माण करना और इसमें वो करीब करीब कामयाब भी हो रहा है। बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, अब चीन के पास 234 युद्धपोत हैं, जबकि अमेरिकी नौसेना के पास जहाजों की संख्या सिर्फ 219 है।

चीन के पास अभी दुनिया का सात सबसे व्यस्त बंदरगाह हैं और उसने ग्लोबल शिपिंग रूट पर अपना दबदबा बना लिया है। राष्ट्रपति शी जिनपिंग का चीन, निश्चित रूप से समुद्री लहरों पर राज करना चाहता है। चीन तीन सितंबर को मिलिट्री परेड निकालने वाला है और माना जा रहा है कि इस दौरान वो अपनी ताकत का प्रदर्शन करेगा।

फैट से फिट हुए: बुची बाबू टूर्नामेंट में 2 सेंचुरी

कमबैक से पहले सरफराज खान की सारी मेहनत पर इंजरी ने पानी फेर दिया!

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। डॉमेस्टिक क्रिकेट में रनों का अंबार लगाने वाले सरफराज खान पिछले साल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के बाद भारतीय टेस्ट टीम से ड्रॉप हो गए थे। उनको 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे पर नहीं ले जाया गया था। हालांकि, वह इंडिया ए का हिस्सा जरूर थे। लेकिन, खान ने हार नहीं मानी थी और उन्होंने अपनी फिटनेस पर काम करके 10 किलो से ज्यादा वजन घटा लिया था।

इसके बाद बुची बाबू टूर्नामेंट में उन्होंने बैक टू बैक सेंचुरी लगाई। लेकिन, टीम इंडिया में कमबैक से पहले आखिरी पड़ाव यानी दलीप ट्रॉफी से पहले ही सरफराज खान चोटिल हो गए।

सरफराज खान चोटिस होकर दलीप ट्रॉफी से हुए बाहर

टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, सरफराज खान क्वाडराइसप इंजरी के चलते दलीप ट्रॉफी से बाहर हो गए हैं। वह दलीप ट्रॉफी में 4 सितंबर को बेंगलुरु में वेस्ट जोन के लिए सेंट्रल जोन के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलते। सूत्र ने बताया, 'सरफाज को क्वाडराइसप्स इंजरी हुई है, जो उन्हें हरियाणा के खिलाफ बुची बाबू टूर्नामेंट में शतक लगाने के दौरान 5 दिन पहले हुई थी। वो कम से कम तकरीबन 3 हफ्ते के लिए बाहर हो गए हैं और सेंटर ऑफ एक्सेलेंस में रिहैब कर रहे हैं।'

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू सीरीज में मौके की तलाश में सरफाज खान

वेस्टइंडीज के खिलाफ अक्टूबर में भारत घर पर 2 मैच की टेस्ट सीरीज खेलने वाला है। सरफराज खान की नजर ऐसे में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में जगह बनाने पर होगी। लेकिन, चोटिल होने की वजह से उनका अब कमबैक करना मुश्किल लग रहा है क्योंकि अब सरफराज के पास सीरीज से पहले खुद को साबित करने का समय नहीं होगा। 27 साल के सरफराज खान ने भारत के लिए अब तक 6 टेस्ट खेले हैं, जिसकी 6 पारियों में उन्होंने 1 शतक और 3 अर्धशतक के बूते 371 रन बनाए हैं।

डोमेस्टिक मैच क्यों नहीं खेलते टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी

बिजी शेड्यूल या इंजरी से बचना चाहते हैं? राहुल-जडेजा दलीप ट्रॉफी नहीं खेल रहे

बेंगलुरु, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दलीप ट्रॉफी 2025 में केएल राहुल, अक्षर पटेल, रवींद्र जडेजा, जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज जैसे बड़े नाम गायब हैं। यह पहली बार नहीं हुआ! विराट कोहली, रोहित शर्मा और यहां तक कि मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर भी अपने करियर के आखिरी दौर में घरेलू टूर्नामेंट्स से दूरी बना चुके थे।

तो आखिर वजह क्या है कि इंटरनेशनल क्रिकेट के स्टार्स घरेलू मैदान पर कम ही नज़र आते हैं?

इस बार कौन-कौन नहीं खेल रहे दलीप ट्रॉफी?

केएल राहुल, वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, सूर्यकुमार यादव, रवींद्र जडेजा, प्रसिद्ध कृष्णा और करुण नायर जैसे दिग्गज फिट होने के बावजूद बाहर हैं। ऋषभ पंत, ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी जैसे कुछ खिलाड़ी इंजरी के कारण अनुपस्थित हैं। शुभमन गिल को नॉर्थ जोन का कप्तान बनाया गया, लेकिन बीमारी के चलते वे भी नहीं खेल सके।

बीसीसीआई का सख्त रुख

पिछले सीजन ईशान किशन और श्रेयस अय्यर को घरेलू क्रिकेट से दूरी पर भारी कीमत चुकानी पड़ी थी। दोनों को सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर कर दिया गया। सबक के बाद दोनों रणजी और घरेलू टूर्नामेंट्स खेलने लौटे।

स्टार प्लेयर्स क्यों नहीं खेलते घरेलू मैच?

इंटरनेशनल क्रिकेट का ओवरलोडेड शेड्यूल। एशिया कप, वेस्टइंडीज टेस्ट सीरीज, ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका टूर – सालभर का कैलेंडर ठसाठस भरा। आईपीएल और लगातार बढ़ते टी20 मैचों ने खिलाड़ियों के रेस्ट का समय कम कर दिया। इंजरी से बचने और बड़े टूर्नामेंट्स के लिए फिट रहने के लिए प्लेयर्स को रेस्ट दिया जाता है।

घरेलू क्रिकेट में कॉम्पिटिशन का लेवल

इंटरनेशनल लेवल पर स्टार्क, रबाडा, शाहीन अफरीदी जैसे घातक गेंदबाजों का सामना करने वाले खिलाड़ी, घरेलू टूर्नामेंट्स को कई बार कम चुनौतीपूर्ण मानते हैं। ऐसे में वे खुद की प्रैक्टिस और फिटनेस पर ज्यादा ध्यान देते हैं।

नए चेहरों को मौका

साउथ जोन बोर्ड ने साफ कहाः "युवा खिलाड़ियों को बड़ा मंच दें, ताकि वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें।" बड़े नामों को आराम देकर नए खिलाड़ियों को स्पॉटलाइट दी गई।

घरेलू क्रिकेट से स्टार बनने वाले प्लेयर्स

यशस्वी जायसवाल – रणजी, ईरानी कप और दलीप ट्रॉफी में डेब्यू सेंचुरी, सीधा टीम इंडिया में एंट्री। मयंक अग्रवाल – घरेलू क्रिकेट में रनों का पहाड़ खड़ा कर 21 टेस्ट खेले। वसीम जाफर और सरफराज खान – घरेलू क्रिकेट में लगातार परफॉर्म कर इंटरनेशनल डेब्यू तक पहुंचे।

टीम इंडिया के स्टार प्लेयर्स का घरेलू क्रिकेट से दूरी बनाना उनकी थकान, इंजरी प्रोटेक्शन और स्ट्रैटेजिक प्लानिंग का हिस्सा है। लेकिन घरेलू टूर्नामेंट्स अब भी यंग टैलेंट को इंटरनेशनल लेवल तक पहुंचाने का सबसे बड़ा प्लेटफॉर्म बने हुए हैं।

आर अश्विन ने इंटरनेशनल लीग टी-20 ऑक्शन में नाम दिया

यूएई में 30 सितंबर को नीलामी; इंटरनेशनल क्रिकेट और आईपीएल से रिटायरमेंट ले चुके हैं

मुंबई, 2 सितंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट के बाद इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) से संन्यास लेने वाले आर अश्विन ने संयुक्त अरब अमीरात की इंटरनेशनल लीग टी20 (ILT20) में रुचि दिखाई है। उन्होंने खुद इसकी जानकारी दी है। पूरी संभावना है कि वे नीलामी के लिए पंजीकरण कराएंगे। अगर सब कुछ ठीक रहा तो वह यूएई की इस लीग के अगले सीजन में खेलते दिख सकते हैं। टूर्नामेंट अगले साल 2 दिसंबर से 4 जनवरी तक चलेगा।

आईएलटी20 से तीन भारतीय खिलाड़ी जुड़ चुके हैं, लेकिन डेब्यू सिर्फ एक ही कर चुका है। क्रिकबज के अनुसार आईएलटी20 के आयोजक इस दिग्गज स्पिनर के साथ बातचीत में लगे हुए हैं और नामांकन की औपचारिकताएं पूरी होने के बाद उनका नाम नीलामी सूची में शामिल हो सकता है। पंजीकरण प्रक्रिया अभी चल रही है और नीलामी में नामांकन की अंतिम तिथि 10 सितंबर है।

पहली बार आईएलटी20 में नीलामी

अश्विन ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा, "हां, मैं आयोजकों से बातचीत कर रहा हूं। उम्मीद है कि अगर मैं नीलामी के लिए पंजीकरण कराऊंगा तो मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा।" लीग में खिलाड़ियों की भर्ती के लिए ड्राफ्ट सिस्टम का इस्तेमाल होता था, लेकिन इस साल आयोजक नीलामी प्रणाली लेकर आए हैं। नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होने वाली है।

रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान ने नहीं किया डेब्यू

अगर अश्विन को नीलामी में चुना जाता है, तो वह यूएई की लीग में खेलने वाले भारतीय क्रिकेट के सबसे बड़े नाम बन जाएंगे, जिसके 3 सीजन हो गए हैं। रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान को पहले ही चुना जा चुका है, लेकिन उन्होंने अभी तक डेब्यू नहीं किया है, जबकि अंबाती रायडू इस टूर्नामेंट में खेलने वाले एकमात्र अन्य भारतीय हैं। उन्होंने एमआई एमिरेट्स के लिए आठ मैच खेले हैं।

दुबई कैपिटल्स मौजूदा चैंपियन

आईएलटी20 में एमआई एमिरेट्स, गल्फ जायंट्स, अबू धाबी नाइट राइडर्स, शारजाह वॉरियर्स, दुबई कैपिटल्स और डेजर्ट वाइपर्स इस लीग की प्रतिस्पर्धी फ्रेंचाइजी हैं। दुबई कैपिटल्स मौजूदा चैंपियन है। माना जा रहा है कि अश्विन को लीग में हिस्सा लेने का फैसला करने से पहले टीमों से कुछ आश्वासन मिला होगा। 282 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलने वाले अश्विन सबसे बड़े मैच विजेताओं में से एक हैं और 2009 में आईपीएल के दूसरे सीजन से नियमित रूप से खेल रहे थे।

आईपीएल में पांच फ्रेंचाइजी से खेल चुके हैं अश्विन

38 वर्षीय ऑलराउंडर ने आईपीएल में पांच अलग-अलग फ्रेंचाइजी चेन्नई सुपर किंग्स, राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स, दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए 221 मैच खेले हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी20 क्रिकेट में अपने राज्य तमिलनाडु और अपनी टीएनपीएल टीमों के लिए भी खेला है। उन्होंने 65 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं।

आईसीसी महिला विश्व कप 2025 से पहले भारतीय टीम को पूर्व कोच की चेतावनी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला टीम अभी भी पहले वनडे विश्व कप का इंतजार कर रही है। आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 को भारत होस्ट कर रहा है। जिसके कारण ही टीम इंडिया पर जीत दर्ज करने का दबाव भी बढ़ गया है। टीम इंडिया ने हाल के समय में शानदार प्रदर्शन किया है। जिसके बाद भी पूर्व भारतीय हेड कोच ने टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बड़ी चेतावनी दी है। उन्होंने वनडे विश्व कप से पहले बड़ा खुलासा भी कर दिया है।

स्पिनर होंगे विश्व कप जीतने की कुंजी

भारतीय परिस्थितियों में स्पिनरों का बोलबाला देखने को मिलता है। ऐसे में टीम इंडिया फेवरेट नजर आ रही हैं। हालांकि पूर्व कोच डब्ल्यूवी रमन का मानना है कि अन्य टीमों के पास भी अच्छे स्पिनर हैं। ऐसे में टीम इंडिया को संभल कर खेलना होगा। टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत के दौरान रमन ने कहा, 'हमें यह सोचकर आराम से नहीं बैठना चाहिए कि चूँकि टूर्नामेंट भारत में है, और परिस्थितियाँ स्पिन के अनुकूल होंगी, इसलिए भारत बाकी सभी टीमों को आसानी से हरा देगा। नहीं, ऐसा नहीं होने वाला। उन्हें सचमुच अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के पास भी बहुत अच्छे स्पिनर हैं, जिसका मतलब है कि भारत के लिए भी काफी चुनौतियां होंगी।'

टीम इंडिया पर होगा ज्यादा दबाव

घरेलू मैदान पर विश्व कप खेलने के कारण टीम इंडिया पर ज्यादा दबाव होने वाला है। जिसके बारे में बात करते हुए डब्ल्यूवी रमन ने कहा, 'हाल के दिनों में भी, अगर आपने टी20 या 50 ओवर के मैच देखे हों, तो सभी को हमेशा यही लगता था कि भारत चैंपियन बनने से बस एक मैच, या एक बड़े प्रदर्शन या किस्मत के एक झटके से दूर है। इसलिए, मुझे लगता है कि वे एक मजबूत दावेदार के रूप में शुरुआत करेंगे। विश्व कप में घर पर खेलना हमेशा शानदार होता है, लेकिन यह दोधारी तलवार भी हो सकती है क्योंकि हर मैच जीतने का अतिरिक्त दबाव हो सकता है।'

विश्व चैंपियनशिप में भारत की अगुवाई करेंगे नीरज

भाला फेंक में सबसे अधिक खिलाड़ी

नई दिल्ली, 2 सितंबर (एजेंसियां)। अगले महीने टोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप में भारत के पुरुष भाला फेंक खिलाड़ियों की संख्या सबसे अधिक होगी जिसमें नीरज चोपड़ा की अगुआई में देश के चार खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह वैश्विक मंच पर दो बार के ओलंपिक पदक विजेता चोपड़ा के प्रदर्शन से आई गई क्रांति का उल्लेखनीय प्रतिबिंब है। भारत ने 13 से 21 सितंबर तक होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए 19 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसमें भाला फेंक स्पर्धा में चोपड़ा के अलावा सचिन यादव, यशवीर सिंह और रोहित यादव भी देश का प्रतिनिधित्व करेंगे।

36 खिलाड़ियों का समूह

टोक्यो में प्रतिस्पर्धा करने वाले शुरुआती 36 खिलाड़ियों के समूह में जगह बनाने में नाकाम रहे रोहित को विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला जब विश्व रैंकिंग में उनसे ऊपर के प्रतियोगियों ने नाम वापस ले लिया। पिछले टूर्नामेंट में भी चार भारतीयों ने क्वालिफाई किया था लेकिन रोहित चोट के कारण बाहर हो गए थे। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में पिछली विश्व चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था जबकि किशोर जेना और डीपी मनु क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे थे।

देश के इतिहास में पहली बार चार भारतीय विश्व चैंपियनशिप की किसी स्पर्धा में हिस्सा लेंगे। गत चैंपियन होने के कारण 27 वर्षीय चोपड़ा ने वाइल्ड कार्ड से विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई किया जिससे तीन अन्य भारतीयों के उनके साथ जुड़ने का रास्ता साफ हुआ। किसी भी देश को प्रतिस्पर्धा में अधिकतम तीन प्रतिभागियों

को शामिल करने की अनुमति है लेकिन यदि कोई खिलाड़ी वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रतियोगिता में जगह बनाता है तो यह संख्या चार हो सकती है।

चोपड़ा ने 85.50 मीटर का क्वालिफाइंग स्तर भी पार कर लिया था जबकि अन्य तीन भारतीयों ने विश्व रैंकिंग के माध्यम से कट हासिल किया। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) के प्रवक्ता आदिल सुमारिवाला ने वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'मुझे विशेष रूप से खुशी है कि हमारे चार पुरुष भाला फेंक खिलाड़ी क्वालीफाई कर चुके हैं। हमें उम्मीद है कि इस बार भी वे सभी फाइनल में पहुंचेंगे। पिछली बार भी चार खिलाड़ी थे लेकिन रोहित यादव चोटिल हो गए थे और भाग नहीं ले पाए थे। और वे सभी फाइनल में शीर्ष छह में थे।'

सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन

एएफआई की सीनियर चयन समिति की बैठक के बाद भारतीय टीम का चयन किया गया जिसमें पांच महिलाएं भी शामिल हैं। रोहित के अलावा पुरुषों की 110 मीटर बाधा दौड़ के तेजस शिरसे और पुरुषों की 35 किमी पैदल चाल के संदीप कुमार को अंतिम समय में शामिल किया गया। इन्हें भी अन्य प्रतिभागियों के हटने के कारण विश्व एथलेटिक्स से आमंत्रण मिला। कोई भी एथलीट क्वालीफिकेशन स्तर हासिल करने विश्व चैंपियनशिप के लिए स्वतः क्वालीफाई कर सकता है। शेष स्थान विश्व रैंकिंग कोटा के माध्यम से दिए जाते हैं जिससे कि विश्व एथलेटिक्स द्वारा प्रत्येक स्पर्धा के लिए पूर्व-निर्धारित आवश्यक प्रवेश संख्या पूरी की जा सके।

इसके बाद सदस्य देशों ने वैश्विक संस्था को अपने एथलीटों के नाम वापस लेने की सूचना दी और इस प्रकार खाली हुए स्थानों को विश्व रैंकिंग में अगले स्थान पर रहने वाले एथलीटों द्वारा भर दिया गया। भारत ने 2023 में हंगरी में हुए पिछले टूर्नामेंट में 28 एथलीट भेजे थे जिनमें सात रिले धावक शामिल थे। इस बार देश किसी भी रिले स्पर्धा के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया। चोपड़ा ने 2023 में बुडापेस्ट में स्वर्ण पदक जीता था और इस बार भी उनके अलावा किसी अन्य भारतीय के पास पदक जीतने का कोई वास्तविक मौका नहीं है। पुरुषों की 20 किमी पैदल चाल के एथलीट अक्षदीप सिंह का नाम विश्व रैंकिंग के माध्यम से क्वालीफाई करने के बावजूद शामिल नहीं है क्योंकि वह चिकित्सकीय रूप से फिट नहीं है।

यूएस ओपन : दर्द से जूझते हुए जीते नोवाक जोकोविच

38 साल की उम्र में वो कर दिया जो किसी ने नहीं किया था

न्यूयॉर्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। नोवाक जोकोविच यूएस ओपन के चौथे राउंड के मुकाबले में दमदार शुरुआत की। वह तेजी से आगे बढ़ रहे थे तभी उनकी गर्दन में दर्द होने लगा। इसके बावजूद सातवीं सीड के जोकोविच 144वीं रैंकिंग के क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने रिकॉर्ड 64वें ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। जर्मनी के 35 साल के स्ट्रफ पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंचे थे।

पहले सेट में ही जोकोविच को हुई दिक्कत

नोवाक जोकोविच 4-0 से आगे चल रहे थे। अगले गेम में वह 15-लव से आगे थे। इसके बाद उन्होंने एक बेहतरीन एंगल वाली लगाकर 30-लव की बढ़त बना ली। इसके तुरंत बाद उन्होंने अपनी गर्दन पीछे से पकड़ी और अपना सिर घुमाना शुरू कर दिया। इसके बाद कुछ समय उन्हें परेशानी हो रही थी। 30-लव की बढ़त लेने के बाद भी वह गेम हार गए। इसके बाद अगले गेम में भी जान-लेनार्ड स्ट्रफ ने जीत हासिल की। लेकिन जोकोविच ने जल्द ही वापसी कर ली और फिर क्वालीफायर खिलाड़ी को कोई मौका नहीं दिया।

जोकोविच ने नया इतिहास भी लिखा

24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के साथ इतिहास भी रच दिया है। वह इस साल खेले सभी चार ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं।38 साल के नोवाक जोकोविच एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। स्ट्रफ के खिलाफ जोकोविच का यह सिंगल्स में आठवां मुकाबला था। उन्हें सभी में जीत मिली है।

क्वार्टर फाइनल में फ्रिट्ज से मुकाबला

अब यूएस ओपन 2025 के क्वार्टर फाइनल में जोकोविच का सामना अमेरिका के टेलर फ्रिट्ज से होगा। 27 साल के फ्रिट्ज ने क्वार्टर फाइनल में चेक रिपब्लिक के टॉमस माचैक को 6-4, 6-3, 6-3 से हराया। फ्रिट्ज और जोकोविच के बीच अभी तक 10 मुकाबले हुए हैं। सभी में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी को जीत मिली है। जोकोविच 2023 से एक भी ग्रैंड स्लैम नहीं जीत पाए हैं। आखरी बार उन्होंने यूएस ओपन का ही खिताब जीता था।

डब्ल्यूडब्ल्यूई रिंग में 28 साल के रेसलर की 5 सेकेंड में हुई शर्मनाक हार

डेब्यू मैच में बेईमानी करना पड़ा भारी

खेल डेस्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। डब्ल्यूडब्ल्यूई क्लैश इन पेरिस से पहले स्मैक डाउन का अंतिम एपिसोड जबरदस्त रहा. शो में जॉन सीना सहित बड़े रेसलर्स ने शिरकत की. सीना का फ्रांस की जनता ने जोरदार अंदाज में स्वागत किया. 28 साल की कियाना जेम्स के लिए शो बढ़िया नहीं रहा. उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा. आलम यह रहा है कि अपने डेब्यू ही मैच में वह 5 सेकेंड में हार गईं. यह चीज देखकर फैंस भी हैरान रह गए थे. जेम्स भी खुद सिर पकड़ कर बैठ गईं. उन्हें अपनी हार पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं हो रहा था. वैसे इससे डब्ल्यूडब्ल्यूई की बुकिंग पर भी

सवाल खड़े होते हैं. नए स्टार को इतनी जल्दी हराने का फैसला नहीं लेना चाहिए.

पिछले कुछ समय से कियाना जेम्स विमेंस यूएस चैंपियन जूलिया के साथ दिख रही हैं. वह जूलिया की एडवोकेट के रूप में काम कर रही हैं. जेम्स ने बैकस्टेज कई स्टार्स से तगडे.अंदाज में बात की. उन्होंने विमेंस चैंपियन टिफनी स्ट्रेटन को भी जवाब दिया. पिछले हफ्ते जेम्स की मीचीन से भी बात हुई थी. मीचीन ने जूलिया के खिलाफ मैच मांगा लेकिन कहा गया कि पहले उन्हें जेम्स का सामना करना पड़ेगा. शर्त यह थी कि अगर जेम्स को मीचीन हरा देंगी तो उन्हें जूलिया के खिलाफ टाइटल मैच मिल जाएगा. मेन रोस्टर में जेम्स ने अपना डेब्यू मैच स्मैक डाउन में मीचीन के खिलाफ लड़ा. सभी को उनसे शानदार प्रदर्शन की उम्मीद थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ. मीचीन ने 5 सेकेंड में ही उन्हें मात देकर सभी को चौंका दिया. मीचीन ने जेम्स को रोलअप के जरिए हराया. यह डब्ल्यूडब्ल्यूई इतिहास में सबसे तेज जीतों में से एक थी. मीचीन ने अपने करियर में बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है.

मीचीन के ऊपर हुआ हमला

मीचीन ने कियाना जेम्स को हराकर जूलिया के खिलाफ विमेंस यूएस टाइटल मैच हासिल कर लिया है. यह चीज जूलिया को बिल्कुल भी अच्छी नहीं लगी. उन्होंने अपना आपा खो दिया. जूलिया ने मुकाबले के बाद मीचीन पर तगड़ा हमला किया. जेम्स ने भी उनका साथ दिया. रिंग के बाहर जूलिया ने मीचीन को स्टील स्टेप्स पर पटक कर उनकी हालत खराब कर दी. अब देखना होगा कि इनकी राइवलरी में आगे क्या होगा.

एबीडी ने किया टॉप 5 टेस्ट क्रिकेटर्स की लिस्ट से कोहली को बाहर

फिक्सिंग का आरोपी पाकिस्तानी क्रिकेटर भी शामिल

खेल डेस्क, 2 सितंबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज एबी डिविलियर्स ने हाल में ही टेस्ट क्रिकेट के 5 सबसे बड़े खिलाड़ियों की लिस्ट बताई थी। जिसमें उन्होंने अपने दोस्त भारतीय सुपरस्टार विराट कोहली को शामिल नहीं किया है। किंग कोहली एबी की लिस्ट में शामिल हैं। हालांकि एबी ने एक भारतीय दिग्गज को इसमें जगह दी है। सबसे हैरानी वाली बात ये हैं कि फिक्सिंग के आरोप में फंसे पाकिस्तानी क्रिकेटर को भी एबी ने अपने इस लिस्ट में जगह दी है। दक्षिण अफ्रीका से एक दिग्गज भी लिस्ट में शामिल है।

बियर्ड बिफोर क्रिकेट पॉडकास्ट पर टेस्ट क्रिकेट के 5 सबसे बड़े सुपरस्टार्स के बारे में बताया है। दक्षिण अफ्रीका के जैक कैलिस और पाकिस्तान को मोहम्मद आसिफ को एबी ने टॉप 5 में जगह दी है। इंग्लिश सुपरस्टार के बारे में बात करते हुए एबी डिविलियर्स ने कहा, 'मैंने अपने करियर में उनके जैसे बेहतरीन तेज गेंदबाज नहीं खेला है। मेरे लिए एंड्रयू फ्लिंटॉफ नंबर 2 रहेंगे। फ्लिंटॉफ निश्चित रूप से मैच विनर थे। मुझे याद है एजबेस्टन में कैलिस को गेंदबाजी कर रहे थे. क्या शानदार यॉर्कर उन्होंने फेंकी थी. अविश्वसनीय! शायद मेरी ज़िंदगी का सबसे बेहतरीन यॉर्कर मैंने देखा था.'

ऑस्ट्रेलिया और भारत के दिग्गज को भी लिस्ट में दी जगह

महान स्पिनर शेन वॉर्न और दिग्गज सचिन तेंदुलकर के बारे में बात करते हुए एबी डिविलियर्स ने कहा, 'मुझे उनके खिलाफ खेलना बहुत पसंद था, मुझे नहीं लगता कि वॉर्नी मेरे सामने आए सबसे बेहतरीन गेंदबाज़ थे, बल्कि वो तो पूरे पैकेज थे। जिस तरह से उन्होंने मेरी तरफ देखा करते थे, जिस तरह से वो अपने बाल को संवारते थे। जिस तरह से उनकी गेंद घूमती थी, सच कहूं तो वो बिलकुल कविता की जैसी थी. एक तरह से कवि की कविता। मैं कहूंगा, जिस तरह से सचिन को बल्लेबाजी के लिए बाहर जाते हुए देखा है, वह एक ठहराव जैसा था, मानो वाह, वो बहुत बड़े हैं, सचिन सबसे बड़े क्रिकेटर हैं और हां मैं विराट कोहली को कैसे भूल सकता हूं।'

आगमन ही नहीं, बप्पा की विदाई के लिए भी शुभ मुहूर्त जरूरी

गणेश चतुर्थी का पर्व भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है. गणपति बप्पा की 10 दिनों तक घर में पूजा अर्चना करने के बाद, अंतिम दिन उनकी विदाई का समय होता है, जिसे गणेश विसर्जन कहते हैं. हिन्दू धर्म में गणेश विसर्जन का अत्यधिक धार्मिक महत्व है।

माना जाता है कि गणपति अपने साथ भक्तों के दुखों को लेकर जाते हैं और उनके जीवन को खुशहाली से भर देते हैं। साथ ही विसर्जन का भी खास महत्व होता है. जैसे भगवान को शुभ मुहूर्त मे स्थापना का महत्व है. वैसे ही शुभ मुहूर्त मे विदाई का भी विशेष महत्व है। आइए उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज से जानते है बप्पा की विदाई का शुभ मुहूर्त व शुभ तिथि।

इस मुहूर्त में करें बप्पा की विदाई

शुभ चौघड़िया: प्रातः 7:36 मिनट से 9:10 मिनट तक
लाभ चौघड़िया: दोपहर 1:54 मिनट से 03:28 मिनट तक
अमृत चौघड़िया:दोपहर 3:29 मिनट से 05:03 मिनट तक
लाभ चौघड़िया: सायं 6:37 मिनट से 08:03 मिनट

शुभ योग में करें विदाई

बप्पा की विदाई के दिन रवि योग बन रहा है. उस दिन रवि योग सुबह में 06 बजकर 02 मिनट पर बन रहा है, जो रात 10 बजकर 55 मिनट तक रहेगा. रवि योग में सभी प्रकार के दोष मिट जाते हैं. इस दिन अतिगण्ड योग सुबह से लेकर दिन में 11 बजकर 52 मिनट तक रहेगा, उसके बाद से सुकर्मा योग बनेगा।

बप्पा के विसर्जन की विधि

सुबह स्नान के बाद गणेश जी का ध्यान करें और पूजा स्थल को साफ करें. साथ ही चौकी पर स्वच्छ पीला या लाल वस्त्र बिछाकर स्वास्तिक बनाएं और अक्षत (चावल) रखें. उसके बाद विसर्जन से पहले गणपति की अंतिम पूजा करें, गणेश जी को स्नान कराएं, नए वस्त्र पहनाएं, और कुमकुम का तिलक लगाएं.दूर्वा, फूल, मोदक, और लड्डू का भोग लगाएं.गणेश मंत्रों का जाप करें, जैसे "ॐ गं गणपतये नमः" और गणेश स्तोत्र का पाठ करें. परिवार के सभी सदस्यों के साथ गणेश जी की आरती करें. मूर्ति को जल में विसर्जित करने से पहले "गणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आ" का जयकारा लगाएं।

गणेश विसर्जन के दौरान करें इन मंत्रों का जाप

"ॐ गण गणपतये नमः"

यह सबसे सामान्य और सरल मंत्र है जो गणेश जी को समर्पित है. यह मंत्र जीवन की बाधाओं को दूर करता है और इसके जाप से मन को शांति मिलती है।

॥ ॐ एकदन्ताय विघ्नविनाशिनाय धीमहि तन्नो दन्तिः प्रचोदयात ॥

इस मंत्र के जाप से भगवान गणेश प्रसन्न होते हैं और भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं।

परिवर्तिनी एकादशी पर कर लें राशि अनुसार ये उपाय

हिन्दू धर्म में एकादशी का विशेष महत्व है. सालभर में 24 एकादशी व्रत होते हैं. हर माह में 2 बार एकादशी व्रत होता है। मान्यता है कि एकादशी तिथि पर जगत के पालनहार भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है. वहीं, भादो का यह माह बहुत ही पवित्र माना गया है। ऐसे में भादो मास की एकादशी का खास महत्व होता है। कुछ ही दिनों बाद 03 सितंबर को परिवर्तिनी एकादशी आने वाली है. इस दिन भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा विशेष फलदायक होती है. उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज के अनुसार इस दिन किया गया राशि अनुसार उपाय से सालभर लक्ष्मी-नारायण की कृपा बनी रहेगी।

राशि के अनुसार जरूर करें यह दान

– मेष राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए लाल रंग का फूल अर्पित करना चाहिए।

– वृषभ राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन सफेद चीजों का दान करना चाहिए. मान्यता है कि इस दिन सफेद चीजों का दान करने से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।

कर्क राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए खीर का भोग अर्पित करना चाहिए. मान्यता है कि खीर का भोग अर्पित करने से घर में खुशियां आती हैं।

– सिंह राशि के जातक को परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीले रंग का वस्त्र भगवान विष्णु को अर्पित करना चाहिए. इसके साथ ही पीले रंग का वस्त्र भी धारण करना चाहिए. इससे भगवान प्रसन्न होते हैं।

– कन्या राशि के जातक जो कि आर्थिक तंगी से जूझ रहे हैं. उन्हें परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु को प्रसन्न करने के लिए सफेद मिठाई के साथ केसर अर्पित करना चाहिए. ऐसा करने से घर में सालभर सुख-शांति बनी रहेगी।

– तुला राशि वाले जातकों को इस दिन सफ़ेद चीजों का दान करना चाहिए. इससे वैवाहिक जीवन में प्रेम बढ़ता है. साथ ही सौभाग्य की प्राप्ति भी होती है।

– वृश्चिक राशि के जातक नौकरी-व्यापार में तरक्की पाने के लिए इस दिन गुड़ का दान अवश्य करें. इससे नारायण की कृपा हमेशा बनी रहेगी।

– धनु राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन भगवान विष्णु का आशीर्वाद पाने के लिए पीले वस्त्र और पीले चंदन का दान करें. साथ ही पीले फल का भी दान करें. इससे नौकरी मिलने के चांस बढ़ते हैं।

– मकर राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन दही और इलायची का भोग अर्पित करें. इससे भगवान विष्णु की कृपा प्राप्त होती है. शादी के योग खुलते हैं।

– कुंभ राशि के जातक परिवर्तिनी एकादशी के दिन पीपल के पेड़ के नीचे तिल के तेल का दीपक जलाएं. इससे भगवान प्रसन्न होते हैं.

– मीन राशि के जातकों को परिवर्तिनी एकादशी के दिन गरीबों की सेवा करना चाहिए. साथ ही गरीबों को दान करना चाहिए. और भगवान को मिश्री का भोग लगाना चाहिए।

कुंडली का सबसे शक्तिशाली योग, कैसे बृहस्पति के विशेष योग से मिलती है प्रतिष्ठा और सफलता

जन्म कुंडली हर व्यक्ति की जिंदगी की दिशा तय करती है. इसमें बने अलग-अलग योग जीवन में सफलता, प्रसिद्धि और धन-सम्पत्ति दिलाने में मदद करते हैं. इनमें से सबसे शक्तिशाली माना जाता है हंस महापुरुष योग. यह योग सिर्फ भौतिक सफलता ही नहीं, बल्कि व्यक्ति को ज्ञानी और सम्मानित भी बनाता है. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जो लोग इस योग के प्रभाव में होते हैं, उन्हें शिक्षा, लेखन, प्रवचन और समाज सेवा में बड़ी सफलता मिलती है. हंस महापुरुष योग सिर्फ कुंडली में बृहस्पति ग्रह की सही स्थिति से बनता है और इसके सही निर्माण और फल जानना हर व्यक्ति के लिए जरूरी है।

हंस महापुरुष योग कैसे बनता है

ज्योतिषियों का मानना है कि हंस महापुरुष योग बृहस्पति ग्रह के प्रभाव से बनता है. यदि बृहस्पति कुंडली के प्रमुख भावों में अपनी उच्च राशि, मूल त्रिकोण या स्वराशि में स्थित होता है, तो यह योग बनता है. विशेषकर यदि बृहस्पति प्रथम, चतुर्थ, सप्तम या दशम भाव में यानी कर्क राशि में या अपनी स्वराशि मीन राशि में हो, तो यह योग पूरी तरह से प्रभावी होता है. कुंडली में बृहस्पति की सही स्थिति ही यह तय करती है कि व्यक्ति को इस योग का पूरा लाभ मिलेगा या नहीं.

हंस महापुरुष योग के जबरदस्त परिणाम

इस योग का प्रभाव व्यक्ति की मान-प्रतिष्ठा और सामाजिक सम्मान पर दिखाई देता है. शिक्षा के क्षेत्र में कदम रखने वाले इस योग के प्रभाव से बड़ा मुकाम हासिल कर सकते हैं. प्रवचन देने वाले और समाज में मार्गदर्शन करने वाले लोग इस योग से लोकप्रिय और सम्मानित बनते हैं। व्यक्ति के बुद्धि और ज्ञान में वृद्धि होती है, जिससे लोग उनकी सलाह लेने आते हैं. ज्योतिष शास्त्र के अनुसार इस योग का सर्वोत्तम फल 50 से 60 वर्ष की आयु में देखने को मिलता है।

हंस महापुरुष योग से प्रभावित क्षेत्र

यदि कुंडली में अन्य ग्रह जैसे शुक्र, चंद्र और बुध बृहस्पति पर दृष्टि डाल रहे हों, तो व्यक्ति असाधारण गुणों से संपन्न होता है। इस योग के प्रभाव में व्यक्ति शिक्षण, लेखन, वित्त, बैंकिंग, समाज सेवा, धर्म, ज्योतिष और अन्य वैदिक विद्याओं में रुचि रखता है. यह योग न सिर्फ करियर में सफलता दिलाता है, बल्कि व्यक्ति को समाज में प्रसिद्धि और सम्मान भी दिलाता है।

किन परिस्थितियों में योग का फल नहीं मिलता

हालांकि, हंस महापुरुष योग बनना पर्याप्त नहीं है. यदि बृहस्पति अपनी नीच राशि या शत्रु राशि में हो, तो योग बनने के बावजूद व्यक्ति को इसका पूरा लाभ नहीं मिलता. ऐसी स्थिति में जीवन में कई अवसर अधूरे रह जाते हैं और व्यक्ति अपेक्षित सफलता नहीं पा पाता. इसलिए कुंडली में बृहस्पति की स्थिति और अन्य ग्रहों की दृष्टि का विश्लेषण करना जरूरी है।

जितने विचार-स्मृतियां मन में होंगे, उतनी ही अशांति होगी

आजकल किसी से कोई बात करो, उसकी पुष्टि के लिए लोग मोबाइल खोलते हैं और डिजिटल माध्यमों से जानकारी निकालते हैं। जानकारी निकलती भी है। फिर जीवन इतना अधिक जानकारी-केंद्रित हो जाता है कि ज्ञान खो जाता है। जैसे शास्त्रों में मन पर बहुत काम हुआ है।

ऐसा लिखा गया है- माया मरी ना मन मरा, मर-मर गए शरीर। आशा-तृष्णा ना मरी, कह गए दास कबीर। तो अब मन को मारना नहीं है। मरेगा भी नहीं।

लेकिन फिर भी हमारे यहां मृत्यु की व्यवस्था मनुष्य को स्मृतियों से मुक्त कर देती है। जितने विचार और स्मृतियां मन में होंगे, मनुष्य उतना अशांत होगा।

विज्ञान भी मेमोरी एडिटिंग को मानता है। शास्त्रों ने इसे ही ध्यान कहा है। मनुष्य के मस्तिष्क में हिप्पोकैम्पस और कॉर्टेक्स होते हैं। ये स्मृतियों को सहेजते हैं। और एमिग्डेला, नापसंद और पसंद को रजिस्टर करता है। इन तीनों को व्यवस्थित करने का काम ही योग है। इसलिए विज्ञान को योग से लड़ना नहीं चाहिए और योग को विज्ञान से वैर नहीं रखना चाहिए।

16 दिवसीय महालक्ष्मी व्रत में जरूर करें ये उपाय

देवी लक्ष्मी को समर्पित महालक्ष्मी व्रत 16 दिनों तक चलता है. इस दौरान महिलाएं विधि-विधान से माता लक्ष्मी की पूजा करती हैं, व्रत रखती हैं, कथा का पाठ करती हैं और दान-पुण्य आदि करती हैं. अंत में 16 वें दिन कलश विसर्जन कर व्रत का समापन किया जाता है. हर साल महालक्ष्मी व्रत भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी से शुरू होता है, जिसका समापन अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी को होता है।

महालक्ष्मी व्रत धन-वैभव और समृद्धि के लिए किया जाता है और इसमें खट्टी या नमक वाली चीजों का सेवन नहीं किया जाता है. अगर कोई भक्त पूरे 16 दिन का व्रत न कर पाए, तो वह तीन व्रत भी कर सकता है जिसमें पहले, मध्य और अंतिम दिन पूजा करके पुण्य प्राप्त कर सकता है. अगर आप महालक्ष्मी व्रत में 16 दिनों तक ये उपाय करते हैं, तो माता लक्ष्मी आपके घर में धन के भंडार भर देंगी।

सुख-समृद्धि के लिए उपाय

महालक्ष्मी व्रत की पूजा में देवी लक्ष्मी को खीर का भोग लगाएं और बाद में इस खीर को 16 कन्याओं में बांट दें. इस उपाय को करने से लक्ष्मी जी प्रसन्न होती हैं और सुख-समृद्धि का आशीर्वाद देती हैं. इसके अलावा, रात में चंद्रमा को दूध से अर्घ्य दें और इस दौरान 'ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले वसले प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः' मंत्र का जाप करें।

धन लाभ के लिए उपाय

महालक्ष्मी व्रत के दौरान देवी लक्ष्मी की विधि-विधान से पूजा करें और उन्हें चांदी के सिक्के और कौड़ियां अर्पित करें. फिर पूजा के अगले दिन इन सिक्के और कौड़ियों को एक लाल कपड़े में लपेटकर अपनी तिजोरी में रख देना चाहिए. मान्यता है कि ऐसा करने से साधक के लिए धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

तंगी दूर करने के लिए उपाय

महालक्ष्मी की पूजा के दौरान देवी के चरणों में कमल के और पलाश के फूल के साथ श्रीयंत्र अर्पित करें. साथ ही, मां लक्ष्मी को फल-फूल, धूप-दीप, लाल वस्त्र और सोलह श्रृंगार की सामग्री भी जरूर चढ़ाएं. इसके अलावा, पूजा में गाय के घी का दीपक जलाना चाहिए. इस उपाय को करने से लक्ष्मी जी की कृपा से आर्थिक तंगी दूर होने लगती है।

इन बातों का रखें ध्यान

महालक्ष्मी व्रत करने का पूर्ण फल तभी मिल सकता है, जब आप कुछ खास बातों का ध्यान रखते हैं. महालक्ष्मी व्रत के दौरान घर की, मुख्य द्वार की और मंदिर की साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए. साख ही, इस व्रत में खट्टी और नमक वाली चीजों का सेवन बिल्कुल न करें. अगर आप इन बातों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको व्रत का पूर्ण फल प्राप्त होता है।

'जीवन में जो भी सीखा, उनसे ही सीखा'

पिता प्रेम सागर के निधन पर शिव सागर ने जारी किया भावुक बयान

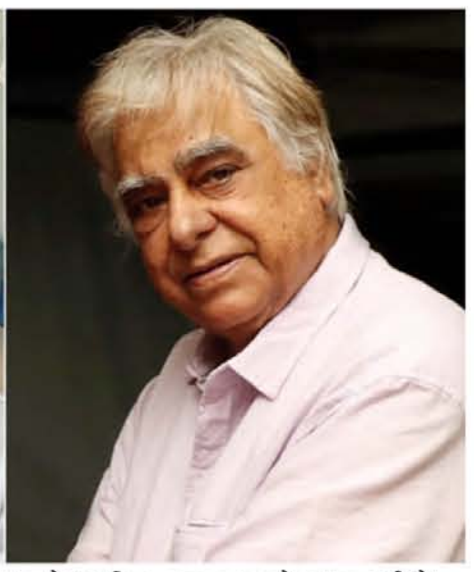

दिग्गज निर्माता-निर्देशक राम सागर के बेटे प्रेम सागर का बीते रविवार को निधन हो गया। अब उनको याद करते हुए उनके बेटे व निर्माता शिव सागर ने एक बयान जारी किया है। इसमें उन्होंने अपने पिता की बीमारी और उनके बारे में जानकारी दी है।

सरल, लेकिन जरूरत पड़ने पर सख्त पिता थे

पिता को याद करते हुए शिव सागर ने कहा कि उन्हें एक महीने पहले कोलन कैंसर का पता चला था और उनका इलाज चल रहा था। वह शनिवार को घर लौटे और गणेश उत्सव के पांचवें दिन यानी रविवार 31 अगस्त को उनका निधन हो गया। प्रेम जी अपने नाम की तरह ही थे—प्यार और भावनाओं से भरपूर थे। वह एक स्नेही पिता थे, फिर भी जरूरत पड़ने पर सख्त भी थे।

हमेशा नई तकनीक को अपनाने पर देते थे जोर

अपने बयान में शिव सागर ने आगे कहा कि कैमरा तो बस उनके (प्रेम सागर) हाथों का एक विस्तार था। एक बेहतरीन सिनेमैटोग्राफर होने और जीतेंद्र व हेमा मालिनी के साथ एक फिल्म का निर्देशन करने के बावजूद, उन्होंने 'विक्रम और बेताल' के साथ सागर आर्ट्स के टेलीविजन विंग की शुरुआत की, जो रामायण का पूर्ववर्ती था। बाद में, वह सागर आर्ट्स के मार्केटिंग डायरेक्टर बने। वह हमेशा नई तकनीक को अपनाते थे। उन्हें स्टार भारत पर हाल ही में रिलीज हुआ हमारा शो 'कामधेनु गौमाता' बहुत पसंद आया। जब हम इसकी शूटिंग कर रहे थे, तो वह सेट पर भी कई बार आए।

वह मेरे गुरु भी थे

पिता से मिली सीखों के बारे में बात करते हुए शिव सागर ने कहा कि मैंने जीवन और फिल्म निर्माण के बारे में जो कुछ भी सीखा, वह सब उनसे सीखा। वे मेरे गुरु भी थे और वाकपटुता में निपुण थे। हमने कई प्रोजेक्ट्स पर साथ काम किया।

मैं उनके धैर्य, कहानी कहने की क्षमता, मार्केटिंग की दृष्टि और लोगों को हंसाने और सहज महसूस कराने की उनकी क्षमता का प्रशंसक था। उन्हें हिंदू धर्म, अध्यात्म और सिनेमा का गहरा ज्ञान था। उनके जाने से एक पूरा युग चला गया।

सोनू सूद ने पंजाब में बाढ़ पीड़ितों की मदद का उठाया बीड़ा कहा- सब कुछ कुर्बान हो जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा

पंजाब के कई जिलों में भारी बारिश हो रही है। हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के कारण सतलुज, व्यास और रावी नदियां उफान पर हैं। यही वजह है कि पंजाब में बाढ़ आ गई है। आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। कई लोगों की जान चली गई है। जानवरों के पानी में बहने के वीडियोज सामने आ रहे हैं।

ऐसे बुरे वक्त में बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद फिर से लोगों की मदद के लिए खड़े हुए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर मैसेज शेयर करते हुए अपना मैसेज सभी जरुरतमंदों तक पहुंचाया है। ये भी कहा कि पंजाब उनकी आत्मा है और चाहे कुछ भी कुर्बान करना पड़े, लेकिन वो पीछे नहीं हटेंगे।

सोनू सूद ने पंजाब के लोगों की मदद करने के लिए लोगों से आगे बढ़ने की अपील की है। उन्होंने कहा कैप्शन में लिखा, 'मैं पंजाब के साथ हूं। इस विनाशकारी बाढ़ से प्रभावित कोई भी व्यक्ति अकेला नहीं है। हम सब मिलकर हर एक व्यक्ति को फिर से अपने पैरों पर खड़ा होने में मदद करेंगे।'

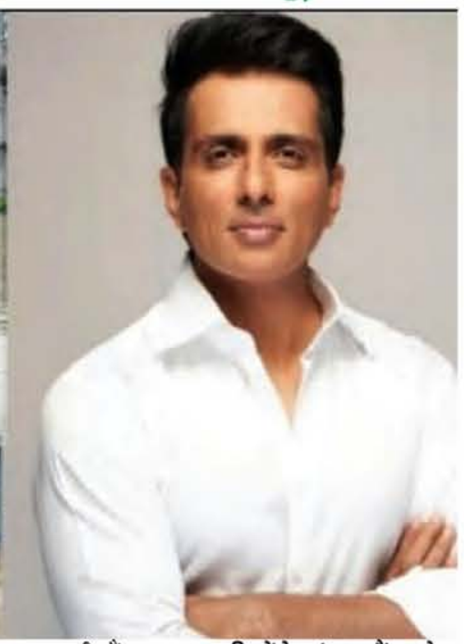

पंजाब के मोगा के रहने वाले एक्टर ने आगे कहा, 'अगर आपको किसी भी तरह की मदद की जरूरत है, तो बेझिझक हमें संदेश भेजें। हम आपकी हर संभव मदद करने की पूरी कोशिश करेंगे। पंजाब मेरी आत्मा है। चाहे इसके लिए सब कुछ कुर्बान हो जाए, मैं पीछे नहीं हटूंगा। हम पंजाबी हैं और हम हार नहीं मानते।'

फैंस कर रहे हैं तारीफ

सोनू के इस कदम की फैंस तारीफ कर रहे हैं। एक ने कहा, 'ऐसा दिल किसा का नहीं है... सिर्फ आपके सिवा।' दूसरे ने कहा, 'हमेशा जरुरतमंदों की मदद के लिए खड़े होते हैं।' एक और फैन ने तारीफ में कहा, 'ये आदमी वाकई कमाल का है। इसने कोविड में फंसे कई लोगों को बचाया। फिल्मी विलेन, पर असली हीरो।'

इन जिलों के गांव हुए हैं सबसे ज्यादा प्रभावित

जानकारी के अनुसार, पंजाब में बाढ़ से गुरदासपुर, पठानकोट, फाजिल्का, कपूरथला, तरनतारन, फिरोजपुर, होशियारपुर और अमृतसर जिलों के गांव सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। ऐसे में सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को 3 सितंबर तक बंद कर दिया गया है।

'सत्या' के बाद फिर साथ आ रहे मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा, हॉरर-कॉमेडी का लगाएंगे तड़का

मनोज बाजपेयी की 'सत्या' फिल्म तो आपको याद ही होगी। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित इस फिल्म को बॉलीवुड की कल्ट फिल्म माना जाता है। अब लगभग तीन दशक के बाद एक बार फिर मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा की जोड़ी एक साथ आ रही है। हालांकि, इस बार दोनों की फिल्म का जॉनर एकदम अलग है।

मनोज बाजपेयी के साथ जुड़ीं जेनेलिया डिसूजा

लंबे वक्त के बाद मनोज बाजपेयी और राम गोपाल वर्मा एक हॉरर-कॉमेडी फिल्म के जरिए फिर से एक साथ वापस आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'पुलिस स्टेशन में भूत' है। इस फिल्म में मनोज बाजपेयी के अलावा अब अभिनेत्री जेनेलिया डिसूजा भी जुड़ गई हैं। अब फैंस इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित हैं।

फिल्म का पहला शेड्यूल हो चुका है पूरा

'पुलिस स्टेशन में भूत' की शूटिंग शुरू हो चुकी है और पहला शेड्यूल भी पूरा हो गया है। फिल्म में हॉरर और कॉमेडी के साथ राम गोपाल वर्मा का कहानी कहने का अलग ढंग इसे और भी खास बनाता है। इसके बाद दर्शक इस फिल्म के लिए काफी उत्साहित हो रहे हैं। फिल्म का सार ये है कि जब हम डरते हैं तो पुलिस स्टेशन भागते हैं, लेकिन जब पुलिस डर जाए, तो वो कहां भागेगी?

मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में हैं कई फिल्में

वर्कफ्रंट की बात करें तो मनोज बाजपेयी की पाइपलाइन में इस समय कई प्रोजेक्ट्स हैं। वो जल्द ही नेटफ्लिक्स की फिल्म 'इंस्पेक्टर जेंदे' में नजर आएंगे।

इसके अलावा उनके पास 'जुगनुमा' भी है, इन दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुए हैं। वहीं मनोज बाजपेयी के लोकप्रिय शो 'द फैमिली मैन' के चौथे सीजन का भी दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री पवन कल्याण हैं करोड़ों के मालिक, पत्नी तो इतनी अमीर कि सुपरस्टार्स भी हैं फेल

साउथ एक्टर पवन कल्याण अब राजनीति में सक्रिय हैं. वो आंध्र प्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं. पवन कल्याण की जर्नी काफी इंस्पायरिंग रही है.

वो सिर्फ 10वीं तक ही पढ़े हैं लेकिन उन्होंने अपने करियर में खूब ऊंचाईयां देखी हैं. पवन ने पहले एक्टिंग में अपना नाम बनाया और अब राजनीति में बना रहे हैं. आइए जानते हैं उनकी नेटवर्थ के बारे में.

पवन कल्याण की नेटवर्थ

चुनावी हलफनामे के मुताबिक, पवन कल्याण की नेटवर्थ 165 करोड़ है. उनके पास 118.36 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति और 46.17 करोड़ रुपये की चल संपत्ति है. इसके अलावा एक्टर 65.77 करोड़ रुपये कर्जे में भी हैं.

पवन के बैंक अकाउंट में 20 करोड़ से ज्यादा रुपये हैं. वहीं उनके पास 3 लाख के करीब कैश था. पवन ने रियल स्टेट प्रॉपर्टीज में भी इंवेस्ट किया हुआ है. पवन कल्याण को लग्जरी कार का बहुत शौक है. उनकी गाड़ियों की कीमत 14 करोड़ आसपास है. पवन के पास हैदराबाद में कई प्रॉपर्टीज हैं. उनके पास जुबली हिल्स में 12 करोड़ का बंगला है.

जानें पवन कल्याण की पत्नी की नेटवर्थ

बता दें कि पवन कल्याण ने रशियन एक्ट्रेस-मॉडल अन्ना लेज़्नेवा संग शादी की. उनकी पहली मुलाकात 2011 में फिल्म तीन मार की शूटिंग के दौरान हुई. इसके बाद उनके बीच प्यार हुआ और फिर उन्होंने 2012 में शादी कर ली. अन्ना लेज़्नेवा पवन की तीसरी पत्नी हैं. अन्ना लेज़्नेवा करोड़ों की मालकिन हैं. उनकी नेटवर्थ के आगे पवन कल्याण की नेटवर्थ कुछ भी नहीं है. उन्होंने सिंगापुर में होटल चैन में इंवेस्टमेंट की हुई है. उनकी नेटवर्थ 1800 करोड़ के आसपास है.

पवन कल्याण के एक्टिंग करियर की बात करें तो उन्होंने 1996 में शुरुआत की थी. वो सुपरस्टार एक्टर चिरंजीवी के छोटे भाई हैं. पवन कल्याण ने कई शानदार फिल्मों में काम किया. वो कुशी, बालू, जलसा, गब्बर सिंह, अतरिंटिकी डेरेडी जैसी फिल्मों में दिखे.

युजवेंद्र चहल पर धनश्री ने फिर कसा तंज?

डांसर और कोरियोग्राफर धनश्री वर्मा इन दिनों एक नए रियलिटी शो में नजर आने वाली हैं, जिसके चलते वो चर्चाओं में हैं। हालांकि सुर्खियों में आने की वजह सिर्फ शो नहीं, बल्कि उनकी निजी जिंदगी भी है। धनश्री ने अपने रिएलिटी शो 'राइज एंड फॉल' के प्रोमो में एक बयान दिया जिसे सोशल मीडिया पर लोग उनके एक्स-हसबैंड और टीम इंडिया के स्पिनर युजवेंद्र चहल से जोड़कर देख रहे हैं।

प्रोमो में क्या बोलीं धनश्री?

'राइज एंड फॉल' नाम के शो के लेटेस्ट प्रोमो में धनश्री कहते हुए नजर आती हैं- 'क्वीन को स्टार बनने की जरूरत नहीं है, इंटरव्यू लेने वालों की लाइन पहले से लगी है। और वैसे भी, पेंटहाउस के सारे स्पोर्ट्स चैनल्स मैंने बंद कर दिए हैं।' धनश्री की इस लाइन को सीधे पूर्व पति चहल के साथ मामले को जोड़कर देखा गया।

सोशल मीडिया पर उठे सवाल

जैसे ही यह प्रोमो सामने आया, सोशल मीडिया यूजर्स ने इसे युजवेंद्र चहल पर अप्रत्यक्ष तौर पर टिप्पणी बताया। लोगों का कहना है कि 'स्पोर्ट्स चैनल' वाला जिक्र दरअसल चहल की ओर इशारा है। देखते ही देखते ट्विटर और इंस्टाग्राम पर क्लिप वायरल हो गई और फैंस ने मीम्स की झड़ी लगा दी।

धनश्री-चहल का रिश्ता

धनश्री और चहल की शादी साल 2020 में हुई थी। शुरुआत में दोनों की जोड़ी को फैंस ने काफी पसंद किया, लेकिन बाद में खबरें आईं कि रिश्ते में दरार पड़ गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 2022 में दोनों अलग हो गए और मार्च 2025 में तलाक हो गया। कहा जाता है कि सेटलमेंट के दौरान धनश्री को करीब 4.75 करोड़ रुपये बतौर एलिमनी दिए गए। इसके बाद सोशल मीडिया पर उन्हें खूब ट्रोल किया गया और कई यूजर्स ने उन्हें 'गोल्ड डिगर' तक कह डाला।

'राइज एंड फॉल' से नई पारी

शो 'राइज एंड फॉल' में धनश्री के साथ कई जाने-माने चेहरे भी शामिल हैं। इसे शार्क टैंक इंडिया के अशनीर ग्रोवर होस्ट कर रहे हैं। इस शो में सेलेब्रिटीज को पेंटहाउस और बेसमेंट जैसी दो अलग-अलग दुनियाओं में बांटा गया है। धनश्री का किरदार शुरू से ही हाइलाइट हो रहा है और अब अपने इस प्रोमो के बाद वो एक बार फिर से चर्चाओं में आ गई हैं।

रानी मुखर्जी के साथ वीडियो शेयर कर शाहरुख ने चौंकाया लिखा- अधूरी ख्वाहिश पूरी हुई

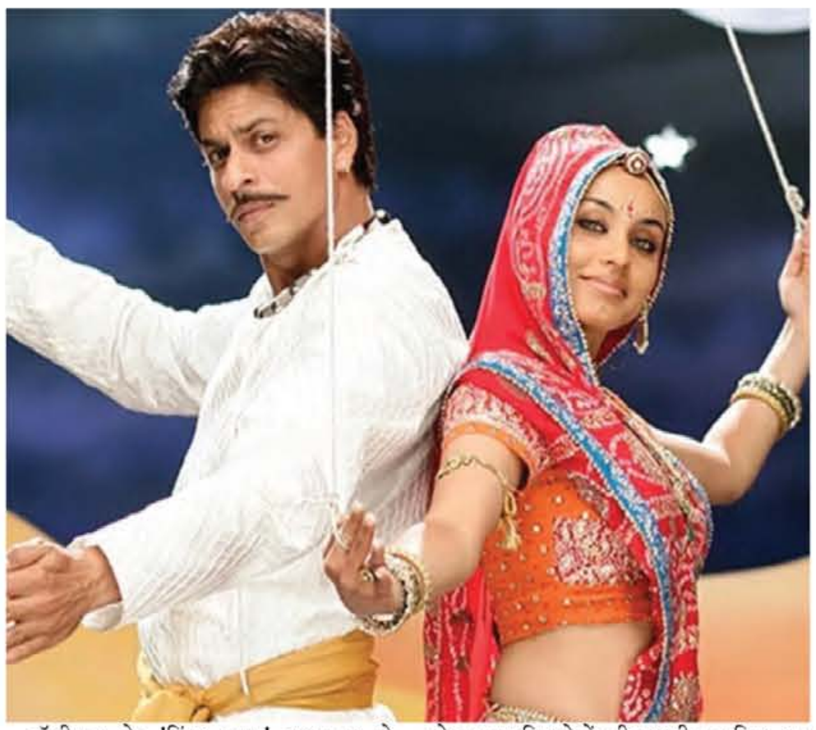

बॉलीवुड के 'किंग खान' शाहरुख ने अभिनेत्री रानी मुखर्जी के साथ इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है जिसके साथ ही कैप्शन में उन्होंने रानी को नेशनल अवॉर्ड जीतने के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने फैंस को बताया कि दोनों की अधूरी ख्वाहिश अब जाकर पूरी हुई है। इसी के साथ उन्होंने आर्यन खान की डेब्यू सीरीज बैड्स ऑफ बॉलीवुड के गाने की भी झलक दिखाई।

शाहरुख-रानी के वीडियो पर फैंस के रिएक्शन्स

जैसे ही शाहरुख ने रानी के साथ वीडियो शेयर किया। उनके पोस्ट पर कमेंट्स का सैलाब आ गया। दोनों नेशनल अवॉर्ड विनर्स के इस री-यूनियन को देख कई फैंस भावुक हो गए, साथ ही कुछ लोगों की खुशी का तो ठिकाना ही नहीं रहा।

फैंस को आई 'कुछ कुछ होता है' की याद

जब-जब शाहरुख और रानी एक साथ आते हैं, फैन्स को उनकी सुपरहिट फिल्म "कुछ कुछ होता है" याद आ ही जाती है। इस वीडियो में भी कई लोगों ने कमेंट कर लिखा कि उन्हें फिर से 'राहुल और टीना' की केमिस्ट्री देखने को मिली। उनकी इस दोस्ती और कैमिस्ट्री को लेकर सोशल मीडिया पर खूब चर्चाएं हो रही हैं।

दोनों ने इसी साल जीता नेशनल अवॉर्ड

बता दें करीब 30 साल के फिल्मी सफर में रानी मुखर्जी ने पहली बार नेशनल अवॉर्ड अपने नाम किया है। उन्हें यह सम्मान फिल्म 'मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे' में शानदार अभिनय के लिए मिला। वहीं, शाहरुख खान को भी हाल ही में 'जवान' फिल्म के लिए बेस्ट एक्टर का नेशनल अवॉर्ड मिला। दिलचस्प बात यह है कि रानी और शाहरुख दोनों को एक साथ पहली बार नेशनल अवॉर्ड मिलने की वजह से यह जश्न और भी खास हो गया।

कौन हैं अंशिका पांडे? गुरु रंधावा के म्यूजिक वीडियो अजूल ने रातोंरात बनाया इंटरनेट सेंसेशन

पॉपुलर पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा अपने नए गाने 'अजूल' को लेकर विवादों में हैं. इसी बीच हम आपको इस गाने से पॉपुलर हुईं अंशिका पांडे के बारे में बताएंगे. हसीना ने अपने एनर्जेटिक डांस परफॉरमेंस से सभी को अपना दीवाना बना लिया है.

कौन है गुरु रंधावा के गाने से रातोंरत पॉपुलर होने वाली ये हसीना?

गुरु रंधावा के गाने 'अजूल' में अंशिका पांडे नाम की लड़की को फीचर किया गया था. इस म्यूजिक वीडियो से अंशिका को उनका बड़ा ब्रेक मिला और वो काफी पॉपुलर हो गईं. अब हर कोई उनके बारे में जानने के लिए काफी उत्सुक है. बात करें अंशिका पांडे की तो वो 20 साल की हैं और उनके इंस्टाग्राम प्रोफाइल के मुताबिक उनका जन्म 2005 में हुआ. इसके साथ ही उनके अपने इंस्टाग्राम के बायो में ये मेंशन किया है कि उन्हें डांस करना बेहद पसंद है. अगर आप

इंस्टाग्राम पर इस हसीना की प्रोफाइल देखते हैं तो आपको उनके कई सारे डांस विडियोज देखने को मिलेंगे. इंस्टाग्राम पर उनकी 389K की तगड़ी फैन फॉलोविंग भी है. साथ ही उनका एक यूट्यूब चैनल भी है और यहां भी लोग उन्हें खूब प्यार देते हैं.

अजूल गाने पर छिड़ा है विवाद

पंजाबी सिंगर गुरु रंधावा का ये गाना 6 अगस्त को रिलीज हुआ था. रिलीज होने के कुछ ही दिनों में ये काफी पॉपुलर हो गया और युवाओं को ये गाना बहुत पसंद भी आया. सोशल मीडिया पर हर कोई इस गाने पर रील बनाता दिख रहा था. 3 हफ्तों में ही इस गाने पर 47 मिलियन व्यूज आ चुके हैं.

लेकिन कुछ दिनों बाद इस गाने को लेकर विवाद छिड़ गया कि इस गाने के जरिए टीचर और स्टूडेंट के बीच के रिश्ते को गलत तरीके से पेश किया गया है. गाने में अंशिका ने एक स्कूल छात्रा का रोल निभाया, जिसमें गुरु रंधावा उनकी तुलना शराब ब्रैंड्स से करते दिखे.अब इस विवाद को लेकर सोशल मीडिया यूजर्स भी दो हिस्सों में बट चुके हैं।

यमुना नदी के डूब क्षेत्र में बाढ़ का खतरा

गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद में अलर्ट, हथनीकुंड बैराज से छोड़ा गया 3.29 लाख क्यूसेक पानी

गौतमबुद्धनगर (चेतना मंच)। पहाड़ों पर हो रही भारी बारिश के कारण यमुना नदी का जल स्तर खतरे के क्षेत्र में बाढ़ आने का खतरा है। प्रशासन ने डूब क्षेत्र में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

निशान से ऊपर बह रहा है। यमुना का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। स्थिति इस कदर गंभीर हो गई है कि हरियाणा स्थित हथिनी कुंड बैराज से सोमवार सुबह 9 बजे 3.29 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा गया, जो इस मानसून सीजन का अब तक का सबसे ज्यादा बहाव है। हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी आज शाम तक दिल्ली पहुंच जाएगा। इस कारण हरियाणा, दिल्ली, गौतमबुद्धनगर और गाजियाबाद के डूब

सिंचाई विभाग के अनुसार हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया पानी अगले 48 से 60 घंटे के भीतर दिल्ली में पहुंच जाएगा। दिल्ली में यमुना पहले से ही खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। ऐसे में हथिनी कुंड बैराज से छोड़ा गया 3,29,313 लाख क्यूसेक पानी इलाके में बाढ़ के खतरे को और बढ़ा रहा है और अधिक पानी आने से दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के निचले इलाकों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो सकती है।

गौतमबुद्धनगर में यमुना नदी के किनारे बसे गाँवों हाफ़िज़पुर, याक़ूबपुर, दसौरा, दसौरी, उर्जनी, चुहड़पुर खुर्द, लेदी, रामपुर जाटान, तिहानो, बरोली माजरा, ख़ानूवाला, शेरपुर और शहज़हानपुर में बाढ़ का खतरा ज्यादा है।

हथनी कुंड बैराज से निकलने वाली यूपी की पूर्वी नहर व हरियाणा की पश्चिमी यमुना नहर की जलापूर्ति बंद कर दी गई। बाढ़ के खतरे को देखते हुए बैराज के यमुना नदी के सभी 18 गेट खोल दिए गए। 15 गेट हरियाणा और तीन गेट उत्तर प्रदेश में है।

सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं

अधिशासी अभियन्ता, सिंचाई निर्माण खंड गाजियाबाद ने सर्वसाधारण को बताया कि ताजेवाला बैराज (हथनीकुंड) से सोमवार सुबह 9 बजे यमुना नदी में 3,29,313 क्यूसेक पानी का डिस्चार्ज किया गया है। अनुमान है कि यह पानी 2 सितंबर 2025 की शाम तक दिल्ली एवं आस-पास के क्षेत्रों में पहुँच जाएगा। इस कारण यमुना नदी के अधिकतम डूब क्षेत्र के प्रभावित होने की संभावना है। उन्होंने आम जनमानस से अपील की है कि जिला गाजियाबाद एवं गौतमबुद्धनगर में यमुना नदी के डूब क्षेत्र में रहने वाले लोग तुरंत सुरक्षित स्थानों पर चले जाएं और अपने परिवार एवं पशुओं को भी वहां से हटा लें, ताकि संभावित बाढ़ के दौरान किसी अप्रत्याशित स्थिति का सामना न करना पड़े।

गौवंश को सुरक्षित स्थानों पर भेजा

यमुना नदी में बाढ के खतरे को देखते हुए नोएडा के सेक्टर-135 में बने हुए अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल जो कि डूब क्षेत्र में पड़ता है। वहां से गौवंश को निकाला जा रहा है। नोएडा प्राधिकरण ने अपनी पूर्व की गलती से सबक लेते हुए इस बार बाढ़ आने से पहले ही अस्थाई गोवंश आश्रय स्थल से गोवंशों को सुरक्षित स्थान पर भेजना शुरू कर दिया है। यह सुरक्षित स्थान सेक्टर-135 डुप्लेक्स के पास बनी हुई ग्रीन बेल्ट में बनाया गया है।

शिवपाल यादव का डीएनडी पर स्वागत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा पहुंचने पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल यादव का सपा नोएडा महानगर के कार्यकर्ताओं ने डीएनडी फ्लाईओवर पर भव्य स्वागत।

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व विधायक शिवपाल यादव ग्रेटर नोएडा में एक निजी कार्यक्रम में जा रहे थे। सपा नोएडा महानगर संगठन द्वारा डीएनडी फ्लाईओवर पर महानगर अध्यक्ष डॉ. आश्रय गुप्ता के नेतृत्व में शिवपाल यादव का स्वागत किया गया। इस दौरान वह प्रत्येक कार्यकर्ता से मिले और उनकी समस्याएं जानने का प्रयास किया। शिवपाल यादव ने कहा कि भाजपा सरकार संविधान व लोकतंत्र को खत्म करना चाहती है। सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारी करें।

स्वागत करने वालों में विकास यादव, रामवीर यादव, सुनील चौधरी, मनोवर सैफी, रोहित यादव, सतवीर यादव, राणा मुखर्जी, राजेश अंबावत, हरपाल सिंह, शालिनी खारी, बिन्दर यादव, नरेश यादव, बबलू चौहान, दीपक यादव, भीष्म यादव, गौरव डेढ़ा, शिवराम यादव, रविंद्र यादव, कुलदीप, कृपाशंकर, सुमित अंबावत, महकार तंवर, नीर अवाना, उदय सिंह जाटव ,वीरपाल प्रधान, शेखर यादव, संतोष, कृष्ण कुमार, महेश जाटव, अक्षय सिंह भाटी, जयवीर गुर्जर, बब्बू यादव, लोकेश यादव, गौरव यादव, राहुल यादव, आरती सिंह, राजेश कुमार, गौरव, काजल, कोमल, तनु मित्तल आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

महामृत्युंजय पाठ का समापन, भंडारा कराया

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा लोक मंच परिवार द्वारा विगत 15 जुलाई से सेक्टर-94 स्थित शिव शंकर कृपा निवास परिसर में प्रारम्भ किया गया 1.25 लाख महामृत्युंजय जाप का सफलतापूर्वक समापन हवन के साथ सम्पन्न हुआ। हवन के समापन पर भंडारे का भी आयोजन किया गया।

पूरे भक्ति भाव और विधि-विधान से सम्पन्न यह अनुष्ठान नोएडावासियों के जनकल्याण की भावना से आयोजित किया गया था। समापन अवसर पर प्रख्यात पंडितों द्वारा विधिपूर्वक हवन सम्पन्न कराया गया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से धर्मेन्द्र चौहान वरिष्ठ उपाध्याक भाजपा, के.पी. सिंह, नोएडा लोक मंच के महासचिव महेश सक्सेना, मुकुल बाजपेयी, शर्मा अंतिम निवास प्रबंधक, अश्मिता कछरु, डॉ उमेश सेक्टर-122 के आरडब्लूए के अध्यक्ष, पंडित हरीश मिश्रा, सतीश, विभा बंसला, रूपेश, गौरव दुबे, पंडित कृपा शंकर, गिरीश शुक्ला, वेद प्रकाश, रागिनी, लुबना तथा नोएडा लोक मंच की पूरी टीम उपस्थित रही। सभी ने मिलकर इस सामूहिक अनुष्ठान को सफल बनाने में योगदान दिया।

हवन उपरांत श्रद्धालुओं के लिए प्रसाद एवं भंडारे का आयोजन भी किया गया, जिसमें भक्तगणों ने श्रद्धापूर्वक सहभागिता की।

दस्तावेजों का सत्यापन 3 सितंबर को होगा

नोएडा (चेतना मंच)। प्रदेश सरकार की ओडीओपी योजना के तहत टेलर व्यवसाय का प्रशिक्षण लेने वाले अभ्यर्थियों के दस्तावेजों की जांच 3 सितंबर को होगी।

उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतमबुद्ध नगर अनिल कुमार ने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद (ओडीओपी) प्रशिक्षण एवं टूलकिट योजना के अंतर्गत दर्जी (टेलर) व्यवसाय से संबंधित प्रशिक्षण के लिए जिन अभ्यर्थियों ने पोर्टल www.diupmsme.upsdc.gov.in/msme.up.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन किया है, उन सभी अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए 3 सितंबर 2025 को उपस्थित होना अनिवार्य है।

उन्होंने बताया कि दस्तावेज सत्यापन का कार्य प्रात: 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र, सूरजपुर (कलक्ट्रेट के निकट/पीछे इकोटेक-2), ग्रेटर नोएडा स्थित कार्यालय परिसर में किया जाएगा। सत्यापन के समय अभ्यर्थियों को अपने साथ प्रशिक्षण के लिए भरे गए ऑनलाइन फार्म की प्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की प्रति, बैंक पासबुक की फोटोकॉपी (जिसमें खाता संख्या एवं आईएफएससी कोड स्पष्ट हो) तथा जाति प्रमाण पत्र (यदि उपलब्ध हो) अवश्य लाना होगा। उन्होंने यह भी बताया कि चयन प्रक्रिया में प्राथमिकता उन अभ्यर्थियों को दी जाएगी, जिन्होंने मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान योजना में आवेदन किया है।

ज्वांईट कमिश्नर से मिले ट्रांसपोर्टर

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा ट्रांसपोर्ट संयुक्त मोर्चा के अध्यक्ष चौधरी वेद पाल सिंह के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ज्वांईट कमिश्नर राजीव नारायण मिश्र से मिला।

इस दौरान चौ. वेदपाल सिह ने पूर्व में यातायात एस.पी. जिला गौतमबुद्ध रहे श्री मिश्र के द्वारा किए गए कार्यों की सराहना की और कहा कि उन्होंने सैक्टर-69 नोएडा में ट्रांसपोर्ट नगर बसाने मे बडी भूमिका निभाई।

राजीव नारायण मिश्र के स्वागत सम्मान मे मुख्य रूप से महावीर नागर,योगेश वर्मा,विनोद भडाना, शिव कुमार गुर्जर, विपिन कुमार एवम प्रवीण बंसल जी प्रमुख समाज सेवी आदि ट्रांसपोर्टर मौजूद थे।

जनपद में लागू हुआ 'नो हेलमेट नो फ्यूल'

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में सड़क सुरक्षा को लेकर शासन द्वारा पूरे प्रदेश में

'नो हेलमेट, नो फ्यूल' अभियान की शुरुआत हो गई है। इस अभियान के तहत अब पेट्रोल पंपों पर बिना हेलमेट आए किसी भी व्यक्ति को ईंधन उपलब्ध नहीं कराया जाएगा। इस अभियान के तहत दो पहिया वाहन चालकों को आगामी 30 सितंबर तक नियमित अभियान चलाकर हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी(प्रवर्तन) डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जनपद में इस अभियान को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर मेधा रूपम के निर्देशों पर जिला सड़क सुरक्षा समिति (डीआरएससी) कार्य कर रही है। पुलिस विभाग, जिला प्रशासन और परिवहन विभाग मिलकर इसकी सघन निगरानी करेंगे।

इसके अलावा पेट्रोल पंप स्तर पर खाद्य एवं रसद विभाग जिम्मेदारी संभालेगा, वहीं आमजन को जागरूक करने के लिए व्यापक स्तर पर प्रचार प्रसार सुनिश्चित कराया जाएगा।

परिवहन विभाग के अनुसार, इस अभियान का मकसद किसी को दंडित करना नहीं है, बल्कि लोगों में सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना है। अभियान के दौरान हेलमेट पहनने की आदत को प्रोत्साहित किया जाएगा, ताकि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली जनहानि को रोका जा सके।